■ आश्विन कृष्ण - 13 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 68 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 30-09-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 नीतीश कुमार सरकार 'चार सेवानिवृत्त नौकरशाह' चला रहे हैं : प्रशांत किशोर

6 दवा कारोबार की अनैतिकता से बढ़ता जीवन संकट

7 सुरक्षा के बेहतरीन माहौल में ही निवेश आता : योगी आदित्यनाथ

फर्स्ट टेक

ताइवान ने चीन के मिसाइल परीक्षण का पता लगाया

ताइपे/एपी। चीन द्वारा कुछ दिनों पहले प्रशांत महासागर में सफलतापूर्वक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण करने की जानकारी देने के बाद ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि उसने चीन के भीतर कई मिसाइल के दागे जाने का पता लगाया है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मिसाइलों का प्रक्षेपण चीन की रॉकेट फोर्स और चीनी सेना द्वारा 'इनर मंगोलिया' के साथ-साथ गांसु और किंगहाई प्रांतों और पश्चिमी चीन के शिनजियांग क्षेत्र में किया गया। ताइवान ने कहा कि वह घटनाक्रम पर लगातार नजर रखेगा और उसकी वायु रक्षा प्रणाली उच्च स्तर की सतर्कता और चौकसी बनाए रखेगी। ताइवान चीन की सैन्य गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखता है तथा हाल के वर्षों में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच चीन ने द्वीप के आसपास अभ्यास बढ़ा दिया है।

सीरिया में अमेरिकी हवाई हमलों में 37 आतंकी मारे गए

बेरूत/एपी। सीरिया में दो हमलों में चरमपंथी इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह और अलकायदा संबंधी एक समूह से जुड़े 37 आतंकवादी मारे गए। अमेरिकी सेना ने रविवार को यह जानकारी दी। इसने कहा कि मृतकों में दो शीर्ष आतंकवादी थे। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा कि उसने मंगलवार को उत्तर-पश्चिमी सीरिया में हमला किया, जिसमें अलकायदा से जुड़े हुर्रास अल-दीन समूह के एक शीर्ष आतंकवादी और आठ अन्य को निशाना बनाया गया। उन्होंने 16 सितंबर को किए गए एक हमले की भी जानकारी दी जिसमें उन्होंने मध्य सीरिया में एक दूरस्थ अज्ञात स्थान पर आईएस प्रशिक्षण शिविर पर बड़े पैमाने पर हवाई हमला किया था। इस हमले में 28 आतंकवादी मारे गये थे।

रूसी क्षेत्र में घुसे यूक्रेन के 125 ड्रोन को नष्ट किया गया : मॉस्को

कीव/एपी। रूसी क्षेत्र में रविवार को घुसे यूक्रेन के 100 से अधिक ड्रोन को नष्ट कर दिया गया। इसके चलते वन क्षेत्र और एक अपार्टमेंट के हिस्से में आग लग गई। मॉस्को के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। फरवरी 2022 में मॉस्को द्वारा यूक्रेन पर हमला करने के बाद से रूसी आसमान में सबसे बड़ी संख्या में यूक्रेनी ड्रोन देखे गए हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने सात क्षेत्रों में रात के दौरान 125 ड्रोन को नष्ट किया। रूसी वायु रक्षा द्वारा वोल्गोग्राद क्षेत्र में सबसे अधिक 67 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट किया गया। गवर्नर अलेक्सांद्र गुसेव ने बताया कि रूस के वोरोनिश क्षेत्र में भी 17 ड्रोन देखे गए, जिन्हें नष्ट करने के दौरान गिरे मलबे के कारण एक अपार्टमेंट के हिस्से को नुकसान पहुंचा।

कुंभ मेला: रेलवे ने 992 विशेष ट्रेनें चलाने की योजना बनाई

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्रालय कुंभ मेले के लिए व्यापक व्यवस्था करने पर काम कर रहा है और जनवरी में प्रयागराज में आयोजित होने वाले इस विशाल धार्मिक समागम के लिए 992 विशेष रेलगाड़ियां चलाने की योजना बना रहा है। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, विशेष रेलगाड़ियां चलाने के अलावा मंत्रालय ने यात्रियों के लिए विभिन्न बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के निर्माण और उन्नयन के लिए 933 करोड़ रुपए निर्धारित किए हैं। इसके अलावा प्रयागराज मंडल और आसपास के क्षेत्रों में ट्रेनों की सुचारू आवाजाही के लिए 3,700 करोड़ रुपए की लागत से रेलवे पटरियों का दोहरीकरण तेजी से किया जा रहा है।

30-09-2024 सूर्यास्त 6:10 बजे	01-10-2024 सूर्योदय 6:09 बजे
BSE 85,571.85 (-264.27)	NSE 26,175.15 (-40.90)
सोना 7,840 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 90,419 रु. प्रति किलो

हूतियों के द्वारा किए गए बैलिस्टिक मिसाइल हमले के जवाब में

इजराइल ने यमन में हूतियों के ठिकानों पर किए हमले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरूशलम/एपी। इजराइली सेना ने कहा है कि इजराइल पर हाल ही में हुए हमले के जवाब में दर्जनों विमानों ने यमन में हूतियों के ठिकानों पर हमले किए हैं। सेना ने कहा कि उसने होदेदा शहर में बिजली संयंत्रों और समुद्री बंदरगाह सुविधाओं को निशाना बनाया।

हूतियों ने शनिवार को बेन गुरियन हवाई अड्डे पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया था। यह हमला तब हुआ था जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू वहां पहुंच रहे थे।

हिज्बुल्ला ने इजराइली हमलों में सातवें शीर्ष कमांडर के मारे जाने की पुष्टि की

यरूशलम/एपी। इजराइल की सेना ने रविवार को कहा कि उसने हवाई हमले में हिज्बुल्ला के एक और प्रमुख सदस्य को मार गिराया है। इससे पहले, शुक्रवार को बेरूत में समूह का प्रमुख नेता हसन नसरल्ला भी मारा गया था। सेना ने कहा कि उसने शनिवार को हवाई हमले में हिज्बुल्ला की सेंट्रल काउंसिल के उप प्रमुख नबील कौक को मार गिराया। हिज्बुल्ला ने उसकी मौत की पुष्टि की है। वह एक सप्ताह से भी कम समय में इजराइली हमलों में मारा गया हिज्बुल्ला का सातवां शीर्ष सदस्य है। इजराइली सेना ने कहा कि उसने रविवार को बेरूत पर एक और लक्षित हमला किया, जिसका विवरण बाद में दिया जाएगा। इससे पहले हिज्बुल्ला ने पुष्टि की थी कि उसके एक शीर्ष कमांडर अली कराकी की इजराइली हवाई हमले में मौत हो गई। इजराइली सेना ने पहले कहा था कि कराकी की मौत हवाई हमले में हुई। इजराइल का कहना है कि हमले में कम से कम हिज्बुल्ला के 20 अन्य आतंकवादी मारे गए, जिनमें नसरल्ला के दो करीबी सहयोगी भी शामिल हैं।

भारत में कोई बड़ा हमला हुआ तो पाकिस्तान में घुस कर मारेंगे : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ कश्मीर में आतंकवाद की हर घटना के पीछे पाकिस्तान का हाथ है। पूरी दुनिया में आतंकवाद फैलाने के लिए पाकिस्तान बेनकाब हो चुका है।

■ पाकिस्तान को यह नहीं भूलना चाहिए कि यह एक 'नया भारत' है और आतंकवाद के खिलाफ, अगर जरूरत पड़ी तो वह सीमा पार जाकर उसका सामना कर सकता है।

श्रीनगर/एजेन्सी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर भारत में कोई बड़ा आतंकवादी हमला होता है, तो पाकिस्तान के अंदर घुसकर मारा जायेगा। सिंह ने जम्मू-कश्मीर में बांदीपोरा जिले के सीमावर्ती इलाके गुएज के में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान लगातार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि जम्मू-कश्मीर में फिर से आतंकवाद फैल जाये। रक्षा मंत्री ने कहा, वे (पाकिस्तान) नहीं चाहते कि यहां लोकतंत्र पनपे। लेकिन लोगों का साहस देखने के बाद मुझे यकीन है कि अब दुनिया की कोई भी ताकत यहां के लोकतंत्र को कमजोर नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को यह नहीं भूलना चाहिए कि यह एक 'नया भारत' है और आतंकवाद के खिलाफ, अगर जरूरत पड़ी तो वह सीमा पार जाकर उसका सामना कर सकता है। उन्होंने कहा, और जो लोग सीमा पार से भारत को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं, मैं उनसे भी कहना चाहता हूं कि अगर भारत में कोई बड़ा आतंकवादी हमला होता है, तो वे जहां भी बैठे हों, हम घुस कर मारेंगे।

सिंह ने कहा कि जब से उनकी सरकार सत्ता में आयी है, कश्मीर में शांति है और इस सच्चाई से कोई इनकार नहीं कर सकता। उन्होंने पाकिस्तान की वित्तीय सेहत को लेकर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, वर्ष 2014-15 में जम्मू-कश्मीर को विशेष पीएम पैकेज दिया गया था। आज पीएम पैकेज 90,000 करोड़ रुपये का है। और आप अंदाजा लगा सकते हैं कि यह राशि कितनी है। जिस राशि के लिए पूरा पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के सामने भीख मांग रहा था, हमारी सरकार ने उससे कहीं ज्यादा जम्मू-कश्मीर को दी है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर के विकास और यहां के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए काम करती है। श्री सिंह ने कहा, और पाकिस्तान में वित्तीय सहायता का इस्तेमाल आतंकवाद की फैक्टरियां चलाने के लिए किया जाता है और यह लंबे समय से चल रहा है। आतंकवाद का यह कारोबार लंबे समय तक नहीं चलने वाला है। मैं आपको यह आश्वासन देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि कश्मीर में आतंकवाद की हर घटना के पीछे पाकिस्तान का हाथ है। पूरी दुनिया में आतंकवाद फैलाने के लिए पाकिस्तान बेनकाब हो चुका है।

जम्मू कश्मीरः कठुआ में एक आतंकी ढेर

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर में कठुआ जिले के एक सुदूर गांव में आतंकवाद रोधी अभियान में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया जिसके पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने का संदेह है, जबकि केंद्र प्रशासित क्षेत्र के राजौरी जिले में भी रविवार शाम को आतंकवादियों से एक और मुठभेड़ शुरू होने की जानकारी मिली है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि रविवार शाम को राजौरी जिले के थानामंडी इलाके में एक और मुठभेड़ तब शुरू हो गई, जब सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर थानामंडी के मनियाल गली में सुरक्षा बलों द्वारा एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया था। आतंकियों का पता चलने पर दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई।'' इससे पहले दिन में क्षेत्र में एक नदी के किनारे एक हथगोला पाया गया जिसे बाद में विशेषज्ञों द्वारा नियंत्रित विस्फोट करके नष्ट कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि कठुआ जिले की बिलावर तहसील के कोग-मंडली में शनिवार शाम हुई मुठभेड़ के स्थल से रविवार दोपहर में एक अज्ञात आतंकवादी का शव बरामद किया गया जिससे दो दिवसीय अभियान में मरने वालों की संख्या दो हो गई।

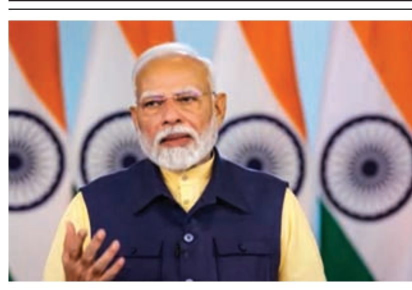

प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र के बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र को राष्ट्र को समर्पित किया

प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए महाराष्ट्र में 11,200 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महाराष्ट्र में बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र (बीआईए) को राष्ट्र को समर्पित किया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए, जबकि पुणे में आयोजित समारोह में महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र 7,855 एकड़ में फैली एक परियोजना है। इसे दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) के तहत विकसित किया गया है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा, महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर से 20 किलोमीटर दक्षिण में स्थित यह औद्योगिक केंद्र मराठवाड़ा क्षेत्र में आर्थिक वृद्धि को गति देने की अपार क्षमता रखता है।

केंद्र सरकार ने 6,414 करोड़ रुपए की कुल लागत वाली इस परियोजना को मंजूरी दी है, जिसे तीन चरणों में विकसित किया जाना है। इसमें कहा गया है, चरण ए, 2,511 एकड़ को कवर करता है।

मैंने पूर्ववर्ती सरकारों की 'पुरानी कार्य संस्कृति' को खत्म कर दिया है : मोदी

पुणे/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पूर्ववर्ती सरकारों पर ''शहरी क्षेत्रों के विकास के लिए योजना और दूरदृष्टि की कमी'' का आरोप लगाया और कहा कि अगर वही ''पुरानी कार्य संस्कृति'' होती तो पुणे मेट्रो परियोजना का काम आगे नहीं बढ़ पाता। मोदी ने कहा कि उन्होंने इस ''पुरानी कार्य संस्कृति'' को खत्म कर दिया है।

प्रधानमंत्री ने जिला न्यायालय से स्वारगेट तक पुणे मेट्रो खंड का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन किया और मेट्रो को हरी झंडी दिखाई।

मोदी ने कहा कि पुणे मेट्रो के प्रथम चरण के पूरा होने से शहर में लोगों का आवागमन सुगम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों की तरह अगर सोचने का वही पुराना तरीका होता तो पुणे मेट्रो का काम पूरा नहीं हो पाता। प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र को नए संकल्पों और बड़े लक्ष्यों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पुणे को शहरी विकास के केंद्र में तब्दील करने की जरूरत है।

मोदी को सत्ता से हटाए जाने से पहले मरूंगा नहीं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जसरोटा (जम्मू)/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए संघर्ष करने का संकल्प व्यक्त किया और कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सत्ता से बेदखल करने तक राजनीति में सक्रिय रहेंगे। खरगे की टिप्पणी केंद्र की भाजपा नीत सरकार की केंद्र शासित प्रदेश के मामले में कार्यप्रणाली, विशेषकर चुनावों में देरी को लेकर आलोचना के बीच आई है।

रैली स्थल पर चिकित्सा सहायता मिलने के बाद खरगे ने कहा, हम राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए लड़ेंगे। कुछ भी हो, हम इसे छोड़ने वाले नहीं हैं। मैं 83 साल का हो गया हूं, मैं इतनी जल्दी मरने वाला नहीं हूं। जब तक (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी को सत्ता से नहीं हटाएंगे तब तक मैं जिंदा ही रहूंगा। आपकी बात सुनूंगा। आपके लिए लड़ूंगा।

इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष ने बोलते समय चक्कर आने की शिकायत की थी और उन्हें चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध करानी पड़ी थी। कांग्रेस महासचिव गुलाम अहमद मीर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, वह जसरोटा में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित कर रहे थे, तभी उन्हें बेचैनी महसूस हुई और चक्कर आने लगा। उनके सहयोगियों ने उन्हें कुर्सी पर बैठाने में मदद की। खरगे विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाने हेतु एक रैली को संबोधित करने जसरोटा गए थे।

जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के उपाध्यक्ष रवींद्र शर्मा ने बताया कि खरगे को चक्कर आ रहा था और उन्हें एक कमरे में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों को जांच के लिए बुलाया गया। उन्होंने बताया कि डॉक्टर सलाह देंगे कि वह उधमपुर में होने वाली दूसरी रैली में शामिल हो सकते हैं या नहीं।

'एक देश, एक चुनाव' योजना को लागू करने के लिए तीन विधेयकों पर विचार कर रही है सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में एक साथ चुनाव कराने की अपनी योजना को अमल में लाने के लिए सरकार द्वारा तीन विधेयक लाए जाने की संभावना है, जिनमें दो संविधान संशोधन से संबंधित होंगे।

प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयकों में से एक, स्थानीय निकाय चुनावों को लोकसभा और विधानसभाओं के साथ कराये जाने से संबंधित है। इसके लिए कम से कम 50 प्रतिशत राज्यों के अनुसमर्थन की आवश्यकता होगी।

अपनी 'एक देश, एक चुनाव' योजना के साथ आगे बढ़ते हुए, सरकार ने इस महीने की शुरुआत में देशव्यापी सहमति बनाने की कवायद के बाद चरणबद्ध तरीके से लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के लिए एक साथ चुनाव कराने की उच्च-स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया।

प्रस्तावित पहला संविधान संशोधन विधेयक, लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का प्रावधान करने से संबंधित होगा।

सूत्रों ने उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों का हवाला देते हुए कहा कि प्रस्तावित विधेयक में 'नियत तिथि' से संबंधित उप-खंड (1) जोड़कर अनुच्छेद 82ए में संशोधन करने का प्रयास किया जाएगा। इसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल को एक साथ समाप्त करने से संबंधित अनुच्छेद 82ए में उप-खंड (2) शामिल किया जाएगा।

इसमें अनुच्छेद 83(2) में संशोधन करने और लोकसभा का कार्यकाल और इसे भंग किये जाने से संबंधित नए उप-खंड (3) और (4) सम्मिलित करने का भी प्रस्ताव है। इसमें विधानसभाओं को भंग करने और ''एक साथ चुनाव'' शब्द को शामिल करने के लिए अनुच्छेद 327 में संशोधन करने से संबंधित प्रावधान भी हैं।

सिफारिश में कहा गया है कि इस विधेयक को कम से कम 50 प्रतिशत राज्यों द्वारा अनुसमर्थन की आवश्यकता नहीं होगी।

प्रस्तावित दूसरे संविधान संशोधन विधेयक को कम से कम 50 प्रतिशत राज्य विधानसभाओं द्वारा अनुसमर्थन की आवश्यकता होगी क्योंकि यह राज्य के मामलों से संबंधित विषयों से निपटेगा।

यह स्थानीय निकायों के चुनावों के लिए राज्य निर्वाचन आयोगों (एसईसी) के परामर्श से निर्वाचन आयोग (ईसी) द्वारा मतदाता सूची तैयार करने से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों में संशोधन करने का प्रस्ताव करेगा। संवैधानिक रूप से, ईसी और एसईसी अलग-अलग निकाय हैं।

निर्वाचन आयोग राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभाओं और राज्य विधानपरिषदों के लिए चुनाव कराता है, जबकि एसईसी को नगर पालिकाओं और पंचायतों जैसे स्थानीय निकायों के लिए चुनाव कराने का अधिकार प्राप्त है।

नेपाल में बाढ़, भूस्खलन के कारण जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 148 हुई

काठमांडू/भाषा। नेपाल में बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर रविवार को 148 हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। शुक्रवार से पूर्वी और मध्य नेपाल के बड़े हिस्से जलमग्न हो गए हैं और देश के कई हिस्सों में अचानक बाढ़ आ गई है।

पुलिस के अनुसार, काठमांडू घाटी में बारिश से संबंधित घटनाओं के कारण अब तक 43 लोगों की मौत हुई है। सशस्त्र पुलिस बल सूत्रों के अनुसार बाढ़, भूस्खलन और जलभराव के कारण 55 लोग लापता हैं, जबकि 101 लोग घायल हुए हैं। भूस्खलन के कारण शनिवार से ही राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हैं और सैकड़ों लोग विभिन्न राजमार्गों पर फंसे हुए हैं। कम से कम 322 मकान और 16 पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

रोड शो

पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती रविवार को गुलमर्ग में पार्टी उम्मीदवार शब्बीर अहमद मीर के समर्थन में रोड शो करती हुई।

शहरी मतदाताओं की उदासीनता चिंता का विषय: मुख्य निर्वाचन आयुक्त

मुंबई/भाषा

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने शनिवार को शहरी मतदाताओं की उदासीनता पर चिंता व्यक्त की और कहा कि आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में अधिकतम मतदान सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए मतदान तैयारियों की समीक्षा के बाद मुंबई में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कुमार ने मुंबई और उसके आसपास के कोलाबा और कल्याण जैसे क्षेत्रों का जिक्र किया, जहां इस वर्ष हुए लोकसभा चुनावों में सबसे कम मतदान हुआ है। उन्होंने कहा कि दैनिक वेतन भोगियों और असंगठित क्षेत्र के अन्य लोगों को प्रशासन द्वारा सूचित किया जाना चाहिए कि मतदान के दिन उन्हें सवैतनिक अवकाश होगा। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना होगा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान (मतदाता सूची में) अधिकतम नामांकन और मतदान हो। कुमार ने कहा, हमने महाराष्ट्र सरकार से उन अधिकारियों को स्थानांतरित करने को कहा है, जो तीन साल से अधिक समय से अपने गृह जिले या वर्तमान पदस्थापना की जगह पर कार्यरत हैं। कुमार ने कहा कि उन्होंने अगले कुछ दिनों में इस संबंध में अनुपालन रिपोर्ट मांगी है। सीईसी ने कहा कि यह मतदाताओं का अधिकार है कि वे जानें कि किसी उम्मीदवार की आपराधिक पृष्ठभूमि है या नहीं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को लोगों को ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में उतारने के कारण भी बताने चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में प्रलोभन मुक्त विधानसभा चुनाव सुनिश्चित करने के लिए (चुनाव प्रचार के दौरान) सभी हेलीकॉप्टरों की जांच की जाएगी। राज्य के अपने दो दिवसीय दौरे के समापन पर कुमार ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव से पहले सोशल मीडिया पर फर्जी खबरें फैलाने वालों और डीप फेक तकनीक का

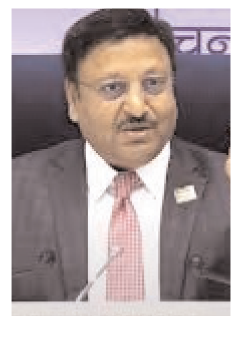

इस्तेमाल करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा।

कुमार ने यह भी कहा कि यह मतदाताओं का अधिकार है कि वे जानें कि किसी उम्मीदवार की आपराधिक पृष्ठभूमि है या नहीं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में राजनीतिक दलों को मतदाताओं को यह भी बताना चाहिए कि वे किसी और को मैदान में उतारने में असमर्थ हैं।

कुमार ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि महाराष्ट्र आगामी लोकतंत्र के उत्सव (विधानसभा चुनाव) में योगदान देगा।'' उन्होंने कहा, हमने मुंबई प्रवास के दौरान राजनीतिक दलों और अधिकारियों सहित सभी हितधारकों से मुलाकात की।

कुमार ने कहा, राजनीतिक दलों ने हमें चुनाव की तारीखों की घोषणा करने से पहले दिवाली, देव दिवाली और छठ पूजा जैसे त्योहारों को ध्यान में रखने को कहा है।

यह पूछे जाने पर कि क्या महाराष्ट्र में चुनाव एक चरण में होंगे या कई चरणों में होंगे, उन्होंने कहा, यह आपको बाद में पता चलेगा।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 1,00,186 मतदान केंद्र होंगे। उन्होंने कहा, हमने बसपा, आप, माकपा, कांग्रेस, मनसे, सपा, शिवसेना (यूबीटी), शिवसेना सहित 11 दलों के नेताओं से मुलाकात की। संवाददाता सम्मेलन में निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू भी मौजूद थे। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 26 नवंबर से पहले होने हैं, क्योंकि 288 सदस्यीय सदन का कार्यकाल उसी दिन समाप्त हो रहा है।

हरियाणा में 'दर्द के दशक' का अंत करेंगे: राहुल

नई दिल्ली/भाषा

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए जारी कांग्रेस के घोषणापत्र का हवाला देते हुए शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी की सरकार राज्य में 'दर्द के दशक' का अंत करेगी।

कांग्रेस की हरियाणा इकाई ने शनिवार को राज्य विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया, जिसमें किसानों के कल्याण के लिए एक आयोग के गठन, शहीद सैनिकों के परिवारों के लिए 2 करोड़ रुपए, रोजगार सृजन समेत कई वादे किए गए हैं।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भाजपा ने एक दशक

में हरियाणा से उसकी समृद्धि, उसके सपने और शक्ति छीन ली। अग्निवीर से देशभक्त युवाओं की आकांक्षाएं छीन ली, बेरोज़गारी से परिवारों की हंसी छीन ली और महंगाई से महिलाओं की आत्मनिर्भरता।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''भाजपा ने काले कानून ला कर किसानों का हक़ तक छीन लेने का प्रयास किया, तो नोटबंदी और गलत जीएसटी से लाखों छोटे व्यापारियों का मुनाफा छीन लिया। अपने चुने हुए 'मित्रों' को फायदा पहुंचाने के लिए हरियाणा का आत्मसम्मान तक छीन लिया।''

पार्टी के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''कांग्रेस की आने वाली सरकार 'दर्द के दशक' का अंत करेगी – हर हरियाणा वासी की उम्मीदों, आकांक्षाओं और ख्वाबों को पूरा करना हमारा संकल्प है।'' उन्होंने कहा कि बचत से ले कर सेहत, अधिकारों की रक्षा से सामाजिक सुरक्षा, रोज़गार की बहार, हंसता खेलता हर परिवार, ये कांग्रेस की गारंटी है।

'कैमन' प्रजाति के मगरमच्छ के पांच बच्चे जब्त

मुंबई/भाषा। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दो यात्रियों को कथित तौर पर 'कैमन' प्रजाति के मगरमच्छ के बच्चों की तस्करी के प्रयास में पकड़ा गया है। सीमा शुल्क विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मुंबई सीमा शुल्क विभाग की हवाई खुफिया इकाई (एआईयू) ने शुक्रवार देर रात दो यात्रियों को रोका। ये दोनों यात्री बैंकॉक (थाईलैंड) से विस्तारा की उड़ान से यहां पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि उनके हाथ में लिए थैले में टूथपेस्ट के डिब्बों में मगरमच्छ के पांच बच्चे मिले। अधिकारियों ने बताया कि करीब से पांच से सात इंच लंबे मगरमच्छ के बच्चे निर्जलीकरण से प्रभावित प्रतीत हो रहे थे। उन्होंने बताया कि उनका उपचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डा और वन्यजीव प्राधिकरण, एयरलाइन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि वन्यजीव अधिनियम के तहत निर्धारित नियमों के अनुसार मगरमच्छ के इन बच्चों को वहां भेजा जा सके जहां से इन्हें तस्करी कर लाया गया। 'कैमन' अमेरिका की मूल मगरमच्छ प्रजाति है जो झीलों, नदियों और दलदलीय क्षेत्रों में पाया जाता है।

तिरुपति विवाद: वाईएसआरसीपी के नेताओं ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के 'पाप' का प्रायश्चित किया

अमरावती/भाषा

वाईएसआरसीपी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शनिवार को 'क्षमायाचना' अनुष्ठान किया और कहा कि इसके जरिए उन्होंने तिरुपति लड्डुओं की पवित्रता पर सवाल उठाकर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू द्वारा किए गए ''पाप'' का ''प्रायश्चित'' किया।

नायडू ने हाल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विधायक दल की एक बैठक में आरोप लगाया था कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर को भी नहीं बख्शा और लड्डू बनाने में घटिया सामग्री एवं पशु चर्बी का इस्तेमाल किया।

इन आरोपों से हिंदू भावनाएं आहत हुईं और देशभर में जनाक्रोश भड़क गया।

इस जनाक्रोश के बाद वाईएसआरसीपी के प्रमुख वाई एस जगनमोहन रेड्डी ने आरोप लगाया कि नायडू लड्डुओं के बारे में सरासर झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई अपवित्रता नहीं हुई क्योंकि जांच के लिए भेजे गए घी के नमूने राजग शासन के दौरान के लिए गए थे।

रेड्डी ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से नायडू द्वारा आरोप लगाकर किए गए कथित 'पाप' को धोने के लिए प्रायश्चित करने का आह्वान किया।

वरिष्ठ वाईएसआरसीपी नेता और तिरुपति तिरुमाला देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व अध्यक्ष बी करुणाकर रेड्डी ने तिरुपति के तताया गुंटा में गंगम्मा मंदिर में पूजा-अर्चना में हिस्सा लिया। इसी तरह पूर्व सिंचाई मंत्री अंबाती रामबाबू ने गुंटूर में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। वाईएसआरसीपी नेता एम शर्मिला रेड्डी ने एक स्थानीय समाचार चैनल से कहा, ''नायडू ने भगवान को भी राजनीति में घसीटा और एक ऐसी घटना पर बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया जो कभी हुई ही नहीं। मैं एक बात पूछ रही हूं। जब घी की खेप (कथित मिलावटी घी के टैंकर) आए थे, तब मुख्यमंत्री कौन था?''

नायडू के आरोपों को लेकर इलुरु जिले में भी कई वाईएसआरसीपी समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं ने विशेष पूजा की।

जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश में बदलने का फैसला 'अस्थायी' है: मोदी

जम्मू/भाषा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश में बदलने का फैसला ''अस्थायी'' है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार क्षेत्र का राज्य का दर्जा बहाल करेगी।

विपक्षी दलों कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) पर निशाना साधते हुए उन्होंने इन पर लोगों को उनके अधिकारों से वंचित करने का आरोप लगाया।

मोदी ने कहा कि यह भाजपा ही है जिसने भेदभाव को समाप्त किया है और तीन परिवारों के पीड़ितों के घावों पर मरहम लगा रही है।

एक अक्टूबर को विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण के लिए प्रचार समाप्त होने से एक दिन पहले जम्मू के मध्य क्षेत्र में स्थित एम ए एम स्टेडियम में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश में बदलने का निर्णय अस्थायी है। उन्होंने कहा, ''भाजपा एकमात्र पार्टी है जो इस क्षेत्र का राज्य का दर्जा बहाल करेगी।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''कांग्रेस, नेकां और पीडीपी जम्मू-कश्मीर में हो रहे बदलावों से परेशान हैं, क्योंकि उन्हें आपका विकास पसंद नहीं है।'' मोदी ने कहा कि विशेष रूप से जम्मू क्षेत्र को तीनों दलों के हाथों ''दशकों तक अन्याय'' का सामना करना पड़ा, जिसने न केवल डोगरा विरासत को बदनाम किया बल्कि उनके शासकों को भी बदनाम किया। उन्होंने कहा, ''सबसे 'भ्रष्ट' कांग्रेस परिवार डोगरा शासकों पर भ्रष्ट होने का आरोप लगा रहा है।'' उन्होंने कहा कि यह भाजपा ही है जिसने ''भेदभाव'' को समाप्त किया और पिछले 10 वर्षों के दौरान क्षेत्र को न्याय प्रदान किया।

आईआईटी और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) समेत विभिन्न शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थानों की स्थापना और सुरंगों जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस, नेकां और पीडीपी ने लोगों को उनके अधिकारों से वंचित करके घाव दिए लेकिन भाजपा ने उनके धर्म की परवाह किए बिना उन तक पहुंचकर उन्हें मतदान का अधिकार, आरक्षण और महिला सशक्तीकरण देकर उनके घावों पर मरहम लगाया। उन्होंने कहा, ''आने वाले समय में जम्मू के विकास को और बढ़ावा मिलेगा। मैं व्यापारी समुदाय को बताना चाहता हूं कि आने वाला समय उनके लिए अवसरों से भरा होगा।'' उन्होंने कहा, ''जम्मू में अधिक निवेश लाने और स्थानीय युवाओं को उनके अपने जिलों में रोजगार प्रदान करने के लिए उद्योग स्थापित करने के हमारे प्रयास जारी हैं।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले कांग्रेस, नेकां और पीडीपी के करीबी लोगों को ही नौकरी मिलती थी लेकिन अब भाजपा के शासन में जम्मू-कश्मीर के हर युवा को उसका अधिकार और सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा, ''पिछले 60 से 65 साल में इस क्षेत्र ने केवल विनाश देखा है... विकास तो दूर, जीवन के हर क्षेत्र में नुकसान हुआ है। मोदी अतीत के उन सभी गड्ढों को भरने के लिए ईमानदारी से काम कर रहा है और आपकी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रयासरत है।''

मोदी ने भाजपा के घोषणापत्र और वादों का भी उल्लेख किया जिसमें कहा गया है कि कश्मीरी प्रवासी पंडितों, शरणार्थियों और महिलाओं समेत समाज के हर वर्ग को उनका अधिकार मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा विभिन्न परियोजनाओं को पूरा करके और नए गंतव्यों की पहचान करके क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बड़ा प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस सीमावर्ती गांवों को देश का आखिरी गांव मानती थी। हम ऐसे गांवों को पहले गांव के रूप में देख रहे हैं और इन्हें जीवंत गांव परियोजना के तहत विकसित कर रहे हैं।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि जम्मू की सड़कों पर इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं, जम्मू रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जम्मू हवाई अड्डे का विस्तार किया जा रहा है, बाहु रोपवे परियोजना पूरी हो गई है जबकि तवी रिवर फ्रंट परियोजना एक प्रमुख आकर्षण होने जा रही है।

मोदी ने कहा कि भाजपा महिलाओं का सशक्तीकरण चाहती है। उन्होंने कहा, ''हम जम्मू-कश्मीर में अपनी बहनों को लखपति दीदी बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों की मदद करने के अपने प्रयास जारी रखेंगे।''

सोमनाथ मंदिर के पास अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान 135 लोग हिरासत में लिए गए

गिर सोमनाथ/भाषा। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में सोमनाथ मंदिर के पास सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने के लिए शनिवार को चलाए गए अभियान के दौरान 135 लोगों को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिला प्रशासन ने एक बयान में कहा कि सोमनाथ मंदिर स्थल, वेरावल के प्रभास पाटन में सरकारी भूमि पर अनधिकृत संरचनाओं को हटाने के लिए चलाए गए अभियान के लिए सैकड़ों पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था।

प्रशासन ने कहा कि तड़के शुरू हुए अभियान के दौरान धार्मिक संरचनाओं और कंक्रीट के घरों को ध्वस्त कर दिया गया और 60 करोड़ रुपए मूल्य की लगभग 15 हेक्टेयर सरकारी भूमि को मुक्त कराया गया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस कार्य में 52 ट्रैक्टरों, 58 बुलडोजरों, दो हाइड्रा क्रेनों, पांच ट्रक, दो एम्बुलेंस और तीन दमकल गाड़ियों को शामिल किया गया।

विज्ञप्ति के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ 788 पुलिस कर्मियों और राज्य रिजर्व पुलिस बल (एसआरपीएफ) के जवानों को तैनात किया गया था।

स्वागत

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान रविवार को देवास के काठेगांव की यात्रा के दौरान इच्छावर में स्थानीय लोगों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किए किया गया।

दर्शन

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ अपनी पत्नी कल्पना दास के साथ तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में प्रार्थना करने जाते हुएं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
बिकाऊ

FLATS FOR SALE
PURVA BLUBELLE
Adjacent to **Magadi road Metro station**
Rajajinagar Centre of the City
3 bedroom & Exclusive 5 bedroom Flats + servant room with all luxurious Amenities,
Contact : 9844027560

मालेगांव विस्फोट मामला: पीड़ित 16 साल बाद भी इंसाफ की बाट जोह रहे

मुंबई/भाषा

महाराष्ट्र में 29 सितंबर, 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में 16 साल बाद अब जाकर सुनवाई करीब अंतिम चरण में पहुंची है। इस विस्फोट में छह लोगों की मौत हो गई थी जबकि 100 से अधिक अन्य व्यक्ति घायल हुए थे।

अभियोजन पक्ष इस मामले में अपनी आखिरी दलीलें पेश कर चुका है जबकि बचाव पक्ष के 30 सितंबर से अपनी अंतिम दलीलें पेश किये जाने की संभावना है।

इस घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों और घायल हुए लोगों के लिए यह इंसाफ की लंबी लड़ाई है।

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 200 किलोमीटर दूर मालेगांव में 29 सितंबर, 2008 को एक मस्जिद के समीप एक मोटरसाइकिल पर रखी विस्फोटक सामग्री में धमाका होने से छह लोगों की मौत हो गयी थी एवं 100 से अधिक अन्य घायल हो गये थे।लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित, भाजपा नेता प्रज्ञा ठाकुर, मेजर (सेवानिवृत) रमेश उपाध्याय, अजय रहीरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी अवैध गतिविधि रोकथाम अधिनियम एवं भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के तहत सुनवाई का सामना कर रहे हैं।प्रारंभ में महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधक दस्ते ने इस मामले की जांच की। बाद में 2011 में इसकी जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण को सौंप दी गयी।

सिद्दरामय्या ने सामाजिक जनगणना रिपोर्ट जल्द लागू करने का संकल्प लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक सरकार बहुप्रतीक्षित सामाजिक जनगणना रिपोर्ट को लागू करने की दिशा में कदम उठाने जा रही है, जिसका उद्देश्य बुनियादी सुविधाओं से वंचित लोगों की पहचान करना और उनकी ज़रूरतों को पूरा करना है। मैसूरु में पिछड़े वर्गों के छात्रावासों के पूर्व छात्र संघ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने पुष्टि की कि रिपोर्ट आने वाले दिनों में आगे की कार्रवाई के लिए राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार ने समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों को पहचानने और उनके उत्थान के लिए सामाजिक जनगणना करवाई थी। रिपोर्ट मिल गई है, लेकिन विभिन्न कारणों से इसके कार्यान्वयन में देरी हुई है। हालांकि, हम इसे जल्द ही कैबिनेट के समक्ष रखकर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना लंबे समय से कांग्रेस पार्टी का सिद्धांत रहा है। सिद्दरामय्या ने कहा, 1930 के बाद से, राष्ट्रीय जनसंख्या जनगणना के हिस्से के रूप में जाति-आधारित डेटा एकत्र नहीं किया गया है। अब, कई राज्यों में जाति जनगणना कराने पर चर्चा जोर पकड़ रही है।

सभी के लिए समान अवसर

सिद्दरामय्या ने डॉ. बीआर अंबेडकर के दृष्टिकोण पर जोर दिया, जिन्होंने पिछड़े वर्गों, दलितों और अल्पसंख्यकों के लिए समान अवसरों की वकालत की। उन्होंने बताया कि आज व्याप्त असमानता ऐसे अवसरों की कमी से उपजी है। सिद्दरामय्या ने कहा, अंबेडकर ने संविधान के तहत सभी को समान अधिकार मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया। युवा पीढ़ी में सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए संविधान की प्रस्तावना के बारे में जागरूकता पैदा करना हमारी जिम्मेदारी है।

मैसूरु में रविवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मैसूरु पिछड़ा वर्ग छात्रावास के वरिष्ठ छात्र संघ का उद्घाटन किया।

न्यायपूर्ण समाज के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

शिक्षा के महत्व पर चर्चा करते हुए सिद्दरामय्या ने कहा कि सच्ची शिक्षा को वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना चाहिए और जिम्मेदार व्यक्तियों को बढ़ावा देना चाहिए। जैसा कि कुवेम्पु ने कहा, हमें 'विश्व मानव' बनने के लिए जाति और अंधविश्वास की जंजीरों से खुद को मुक्त करना होगा। वैज्ञानिक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना के बिना, शिक्षा अपना उद्देश्य खो देती है। हममें से प्रत्येक को यह सोचना चाहिए कि हम समाज में कैसे योगदान दे सकते हैं, मुख्यमंत्री ने जोर दिया।

समाज के लिए योगदान आवश्यक है

सिद्दरामय्या ने सरकारी कार्यक्रमों से लाभान्वित होने वाले लोगों, खास तौर पर छात्रावासों के पूर्व छात्रों से समाज को कुछ देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, आप में से कई लोगों ने अपने क्षेत्रों में सफलता हासिल की है। अब जरूरतमंद लोगों की मदद करने का समय आ गया है। समाज के कमजोर वर्गों की मदद करना ही समाज के प्रति हमारे ऋण को चुकाने का सही तरीका है। उन्होंने स्वार्थ के खतरों के प्रति चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग केवल अपने परिवार के बारे में सोचते हैं, वे आत्म-केंद्रित हो जाते हैं, और इस मानसिकता के कारण वृद्धाश्रमों की संख्या में वृद्धि हुई है। हमें अपने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

छात्रों के लिए छात्रावास:
एक महत्वपूर्ण पहल

पिछले सुधारों पर विचार करते हुए सिद्दरामय्या ने 1977 में छात्र छात्रावासों की शुरुआत को याद किया, एक ऐसा कदम जिसने पिछड़े वर्ग के छात्रों की शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, आज, इन छात्रावासों में 1,87,000 छात्र रहते हैं। इस तरह के प्रयासों से यह सुनिश्चित हुआ है कि वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों को शिक्षा तक पहुँच मिले। मुख्यमंत्री ने एक छात्र के रूप में अपने संघर्षों के बारे में भी बात की, याद करते हुए कि कैसे उस समय आरक्षण प्रणाली की कमी के कारण, वे उच्च शिक्षा के अवसरों से चूक गए और उन्हें अपने आवास की व्यवस्था खुद करनी पड़ी। उन्होंने कहा, छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों को समझते हुए, हमने आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए विद्यासिरी योजना शुरू की।

बढ़ी हुई छात्रवृत्तियाँ और पौष्टिक भोजन

सिद्दरामय्या ने प्री-मैट्रिक छात्रों के लिए छात्रवृत्ति में वृद्धि की घोषणा की, जिसकी राशि पिछले पांच वर्षों में 750 से बढ़ाकर 1750 कर दी गई है। 2024-25 शैक्षणिक वर्ष में छात्रवृत्ति को और बढ़ाकर 1850 कर दिया जाएगा। उन्होंने छात्रावासों में रहने वाले छात्रों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि केवल तभी जब छात्रों को उचित पोषण मिले, वे अपनी पढ़ाई पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। सिद्दरामय्या ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के तहत राज्य भर में हर होबली में एक आवासीय विद्यालय स्थापित करने की योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा, वर्तमान में 822 मोरारजी देसाई आवासीय विद्यालय हैं और इस वर्ष 20 और बनाए जाएंगे। अगले वर्ष तक राज्य के हर होबली में एक आवासीय विद्यालय होगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। इस मौके पर केएएस अधिकारी के शिवस्वामी की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष जिला प्रभारी मंत्री एचसी महादेवप्पा, विधायक दर्शन ध्रुव नारायण, तनवीर सेठ, अनिल चिक मदु, रविशंकर, सरकार के संयुक्त सचिव हरीश गौड़ा, सेवानिवृत्त वरिष्ठ केएएस अधिकारी एम. रामैया, बीडीए आयुक्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी जयराम और कई अन्य उपस्थित थे।

नवरात्रि शुभ मुहूर्त

बेंगलूरु। आसोज शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि गुरुवार 3 अक्टूबर को नवरात्रि प्रारंभ हो रही है। नवरात्रि के पहले दिन घट स्थापना का विधान है, घट स्थापना करने से देवी मां प्रसन्न होती हैं। धार्मिक मान्यता अनुसार कलश में ब्रह्मा, विष्णु, महेश और मातृगण का निवास बताया गया है। मां की पूजा के समय घट स्थापना करने से जातक को शुभ परिणामों की प्राप्ति होती हैं। इस बार नवरात्रि के पहले दिन ऐन्द्र योग के साथ-साथ हस्त नक्षत्र का संयोग बन रहा है, ऐसे में कलश स्थापना करना और भी शुभ माना जा रहा है। घट स्थापना के लिए शुभ मुहूर्त प्रातः 6.08 बजे से 7.38 बजे तक शुभ वेला व दिन में 11.44 बजे से 12.32 बजे तक अभिजीत मुहूर्त श्रेष्ठ रहेगा।

पंडित जगदीश आचार्य,
मोबाइल : 9448417398

मंत्री प्रियांक खरगे ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से इस्तीफे की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने अब खत्म हो चुकी चुनावी बॉण्ड योजना के जरिए कथित तौर पर पैसा मांगने के लिए अदालत के आदेश पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद रविवार को उनसे इस्तीफा देने की मांग की। प्रियांक खरगे ने आरोप लगाया कि भारी नुकसान का सामना करने वाली कंपनियों ने चुनावी बॉण्ड योजना के जरिए भाजपा को काफी चंदा दिया और अदालत ने वैध आधार पर पुलिस को सीतारमण व अन्यों के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया।

खरगे ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, अगर आपमें (भाजपा) नैतिकता है, तो पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा और उनके बेटे व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई विजयेंद्र को बाहर निकालिए। निर्मला सीतारमण, आर. अशोक (कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष) और भाजपा के विधायक मुनिरत्ना को निष्कासित करें। पुलिस के अनुसार एक विशेष अदालत के आदेश के आधार पर केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के पदाधिकारियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 384 (जबरन वसूली के लिए सजा), 120 बी (आपराधिक साजिश) और 34 (सामान्य इरादे से कई व्यक्तियों द्वारा किए गए कृत्य) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

भाजपा की कर्नाटक इकाई के प्रमुख विजयेंद्र येडीयुरप्पा, पार्टी के नेता नलिन कुमार कटील का भी नाम प्राथमिकी में दर्ज है।

खरगे ने कहा, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय और राज्यपाल कार्यालय के जरिए हमें (कांग्रेस को) मत डराइये। हम नहीं डरेंगे। हमारे पास 140 साल के संघर्ष का इतिहास है और हम अगले 140 साल तक अपना संघर्ष जारी रखेंगे। हम आपकी नीतियों और सिद्धांतों के खिलाफ लड़ते हुए बड़े हुए हैं। हमें निशाना बनाने से पहले आप अपना घर दुरुस्त कर लें।

मंत्री ने कहा कि जनाधिकार संघर्ष परिषद द्वारा दायर याचिका के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने भी चुनावी बॉण्ड योजना को असंवैधानिक करार दिया है। खरगे के मुताबिक एक लाख करोड़ रुपये के घाटे का सामना कर रहीं 33 कंपनियों ने भाजपा को 576.2 करोड़ रुपये चंदा दिया है।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा, जिन छह कंपनियों ने सकारात्मक शुद्ध लाभ दिखाया है, उन्होंने भाजपा को 646 करोड़ रुपये चंदा दिया है, जो उनके कुल शुद्ध लाभ से अधिक है। उन्होंने दावा किया कि तीन कंपनियों ने भाजपा को 193.8 करोड़ रुपये का चंदा दिया है, जिनका शुद्ध लाभ सकारात्मक था, लेकिन प्रत्यक्ष कर नकारात्मक था।

दीवार पेंटिंग प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु डिवीजन ने एसएमवीटी बेंगलूरु रेलवे स्टेशन पर कॉलेज के छात्रों के लिए वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत, लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए, रविवार को एसएमवीटी बेंगलूरु स्टेशन पर कॉलेज के छात्रों के लिए स्वच्छता विषय पर एक वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी; सेंट एलॉयसियस डिग्री कॉलेज और पीजी रिसर्च सेंटर; सेंट पॉल्स कॉलेज; ब्रिंद्रावन कॉलेज; आईसीएटी डिजाइन मीडिया कॉलेज; बीएमएस स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर और शेषाद्रिपुरम फर्स्ट ग्रेड कॉलेज सहित विभिन्न कॉलेजों की कुल 11 टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया और अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया और स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाने में योगदान दिया। इस अवसर पर परीक्षित मोहनपुरिया, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक; उमा शर्मा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी; प्रिया, वरिष्ठ मंडल पर्यावरण और हाउसकीपिंग प्रबंधक और अन्य उपस्थित थे। गांधी जयंती पर वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए जाएंगे।

जागरूकता

बेंगलूरु में रविवार को विश्व हृदय दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडुराव ने स्पर्श अस्पताल द्वारा आयोजित वॉक फॉर ए हेल्दी हार्ट वॉकथॉन की शुरुआत की। स्वस्थ हृदय को लेकर जागरूकता फैलाते हुए इन्फैंट्री रोड विधान सौधा कब्बन पार्क में आधे घंटे से अधिक समय तक सैकड़ों लोगों के साथ चले। इस मौके पर स्पर्श अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. शरण प्रकाश पाटिल और अन्य ने भाग लिया।

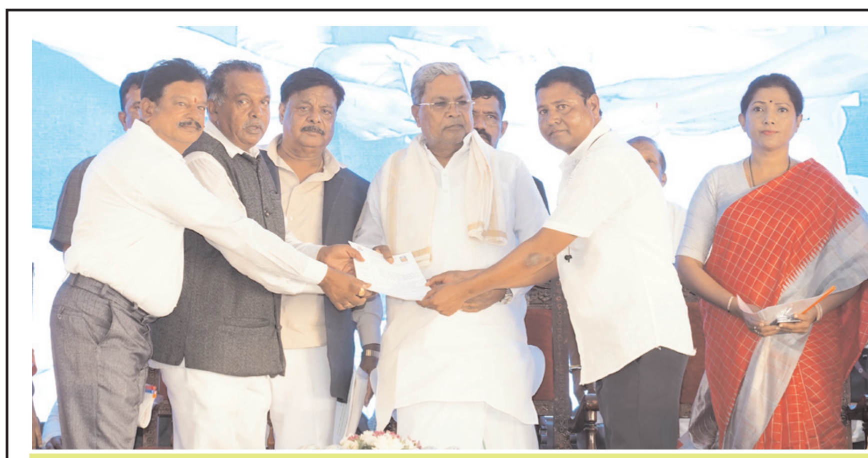

उद्घाटन

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मैसूरु कृष्णराज विधानसभा क्षेत्र के अशोकपुरम में पान उत्पादकों के एक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसी अवसर पर डोड्डागराडी और चिक्कागराडी परिसर में व्यायाम विद्यालय, असेंबली हॉल, वाणिज्यिक परिसर का निर्माण, सरकारी मॉडल प्राथमिक विद्यालय के मरम्मत कार्य का उद्घाटन किया गया। जिला प्रभारी मंत्री एचसी महादेवप्पा, विधायक श्रीवत्स, गारंटी कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष पुष्पा ज्ञान प्रकाश स्वामीजी, विधान परिषद सदस्य डॉ. थिमैया सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

देहरादून में दसवां विश्व आयुर्वेद-स्वास्थ्य एक्सपो 12 दिसम्बर से : प्रह्लाद जोशी

50 देशों, 5000 आयुर्वेदिक विशेषज्ञों के भाग लेने की उम्मीद

हुब्बल्ली। केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने देहरादून में 10वें विश्व आयुर्वेद कांग्रेस और हेल्थ एक्सपो का आयोजन किया है। उन्होंने रविवार को केएलई टेक ऑडिटोरियम में हुब्बल्ली आयुर्वेद सेवा समिति के आयुर्वेद कॉलेज और अस्पताल द्वारा आयोजित सैटेलाइट सेमिनार के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही।

केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने कहा कि वह 12 से 15 दिसंबर तक उत्तराखंड के देहरादून में 10वां विश्व आयुर्वेद-स्वास्थ्य एक्सपो आयोजित कर रहा है। मंत्री ने कहा कि इस एक्सपो में 50 देश और 5000 आयुर्वेद विशेषज्ञ भाग लेंगे और इसके एक भाग के रूप में पूरे देश में 20 सैटेलाइट सेमिनार आयोजित किए जा रहे हैं और आज का कार्यक्रम भी इसी का एक हिस्सा है। आयुर्वेद भारत की सबसे प्राचीन संस्कृति एवं चिकित्सा पद्धति भी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत सरकार आयुष मंत्रालय के माध्यम से ऐसे आयुर्वेद को बढ़ावा देने और संरक्षित करने का काम कर रही है। केंद्रीय आयुष मंत्रालय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयुर्वेद के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए काम कर रहा है। परिणाम स्वरूप हमारा भारतीय आयुर्वेद पूरे विश्व में फैल रहा है।

मंत्री जोशी ने कहा कि सरकार आयुर्वेदिक चिकित्सा को अधिक बढ़ावा दे रही है। वर्ष 2014 में आयुर्वेद इतना महत्वपूर्ण नहीं था। आयुर्वेदिक चिकित्सा का कारोबार केवल 24,000 करोड़ का था। जब से हमारी सरकार आई है तब से 1.40 लाख करोड़ पार हो गया है। मंत्री जोशी ने कहा कि बजट में आयुर्वेदिक चिकित्सा के लिए 500 करोड़ का था और अब हमने 3000 करोड़ दिया है। इस मौके पर हुब्बल्ली आयुर्वेद सेवा समिति के अध्यक्ष गोविंद जोशी, सचिव संजीव जोशी, आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे. प्रशांत, आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जेआर जोशी, डॉ. प्रमोद कट्टी एवं शासक वर्ग उपस्थित थे।

नए उत्कृष्टता केंद्र की सुविधाएं भारत को सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ बनाए रखेंगी : लक्ष्मण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नए उत्कृष्टता केंद्र के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने रविवार को कहा कि यहां आधुनिक सुविधाएं खिलाड़ियों को खुद को बेहतर बनाने और शीर्ष स्तर की फिटनेस बनाए रखने में मदद करेंगी जिससे भारत को तीनों प्रारूपों में अपना दबदबा बनाए रखने में मदद मिलेगी। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) 2000 से चिन्नास्वामी स्टेडियम परिसर में चल रही थी लेकिन अब इसका नाम बदलकर बीसीसीआई उत्कृष्टता केंद्र (बीसीई) कर दिया गया है और अब इसे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के करीब ले जाया गया।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने शनिवार को बंद कमरे में आयोजित समारोह में अन्य गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी में इसका उद्घाटन किया। 2021 में एनसीए प्रमुख का पदभार संभालने वाले लक्ष्मण ने चुनिंदा मीडिया से कहा, ''मुझे लगता है कि उत्कृष्टता केंद्र के लाभार्थी केवल क्रिकेटरों की भावी पीढ़ी ही नहीं बल्कि क्रिकेटरों की मौजूदा पीढ़ी भी होगी। वे खुद को निखारने, चुनौतियों और विभिन्न श्रृंखलाओं के लिए तैयार होने के लिए आते हैं।

लक्ष्मण ने इस धारणा को भी दूर किया कि यह केंद्र क्रिकेटरों के लिए केवल रिहैबिलिटेशन का केंद्र है। उन्होंने कहा, ''यह एक गलत धारणा है कि क्रिकेटर केवल रिहैबिलिटेशन के लिए यहां आते हैं। मुझे भरोसा है कि इस सुविधा में आने वाले सभी खिलाड़ी इस कार्यक्रम का हिस्सा होंगे और उत्कृष्टता हासिल करने का प्रयास करेंगे।

वे सर्वश्रेष्ठ बनने का प्रयास करेंगे। '' उन्होंने कहा, ''इस प्रक्रिया में भारतीय क्रिकेट टीम शायद सभी प्रारूपों में दुनिया में सर्वश्रेष्ठ टीम होगी। बीसीसीआई और इस केंद्र में हमारे द्वारा चलाए जाने वाले सभी कार्यक्रमों का पूरा उद्देश्य यही है।''

कुमारस्वामी ने अपने खिलाफ खनन पट्टा मामले की जांच कर रहे एडीजीपी को 'ब्लैकमेलर और अपराधी' बताया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने रविवार को लोकायुक्त के एडीजीपी एम. चंद्रशेखर को ''ब्लैकमेलर और अपराधी'' करार दिया। चंद्रशेखर 2007 के खनन पट्टा मामले में जद (एस) नेता कुमारस्वामी के खिलाफ जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) के प्रमुख हैं। कुमारस्वामी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''उन्होंने (चंद्रशेखर) अपने सहयोगियों को एक पत्र लिखा है। मुझे पता है कि वह पत्र किसने और कहां तैयार किया है। मैं समय आने पर इसका खुलासा करूंगा।''

कुमारस्वामी द्वारा संदर्भित पत्र के बारे में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) चंद्रशेखर ने लिखा, ''एसआईटी द्वारा जांच किए जा रहे अपराध (संख्या 16/14) के एक आरोपी, एच.डी. कुमारस्वामी ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में झूठे और दुर्भावनापूर्ण आरोप लगाए और धमकियां दीं।'' पत्र में कहा गया, जैसा कि आप जानते हैं कि एसआईटी ने सक्षम प्राधिकारी से आरोपी के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति मांगी थी। जमानत पर रिहा आरोपी एच.डी. कुमारस्वामी ने हमें अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोकने के लिए ऐसा किया है। ऐसा प्रतीत होता है कि उनका उद्देश्य मुझे निशाना बनाकर एसआईटी के अधिकारियों के मन में भय पैदा करना है।

अवैध खनन मामले में आरोप लगाया गया है कि कुमारस्वामी ने 2006 से 2008 तक मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, कानून का उल्लंघन करते हुए बेल्लारी जिले में 'श्री साई वेंकटेश्वर मिनरल्स' को 550 एकड़ का खनन पट्टा आवंटित किया था।

पत्र को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए जनता दल (सेक्युलर) के नेता कुमारस्वामी ने आरोप लगाया, मैं इस मामले में आरोपी हो सकता हूं, लेकिन वह अधिकारी पुलिस के भेष में अपराधी' है। उनके खिलाफ कई आपराधिक गतिविधियों के आरोप हैं। एडीजीपी पर हमला करते हुए उन्होंने आरोप लगाया, एक ब्लैकमेलर, जिसने संबंध बनाकर बेंगलुरु में लूटपाट की है... मेरे पास (आरोप के समर्थन में) दस्तावेज हैं।''

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कुमारस्वामी और आईपीएस अधिकारी के बीच तीखे आरोपों पर टिप्पणी करने से मना कर दिया। सिद्दरामय्या ने संवाददाताओं से कहा, उन्होंने (कुमारस्वामी) एडीजीपी पर कुछ आरोप लगाए हैं। उन्होंने (एडीजीपी ने) जवाब दिया है। मुझे बस इतना ही पता है।

विरोध प्रदर्शन

बेंगलूरु में रविवार को हिंदू जनजागृति समिति के सदस्यों ने फ्रीडम पार्क में तिरुपति लड्डू प्रसादम मामले की जांच की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

'मन की बात' कार्यक्रम का 114वां संस्करण

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को स्वच्छता, और वोकल फॉर लोकल का दिया संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के 114वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी जयपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास पर आमजन के साथ प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सुना।

अपने सम्बोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम के 3 अक्टूबर को 10 साल पूरे होने जा रहे हैं। इन 10 वर्षों में देश वासियों ने अपना प्यार और आशीर्वाद संदेशों के माध्यम से लगातार उन्हें भेजा है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के श्रोता ही इसके असली सूत्रधार हैं, जो देश की उपलब्धियों को गर्व से सुनते हैं।

मोदी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि दृढ़ संकल्प के साथ जब सामूहिक भागीदारी का संगम होता है तो पूरे समाज के लिए अदभुत नतीजे सामने आते हैं। उन्होंने अभियान के तहत राजस्थान की उपलब्धियों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगस्त माह में ही 6 करोड़ से अधिक पौधे लगाकर राजस्थान ने जन भागीदारी का अनूठा उदाहरण पेश किया है। प्रधानमंत्री ने जलसंरक्षण का महत्व बताते हुए कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से जलसंकट से निपटने में बहुत मदद मिलती है।

उन्होंने उत्तर प्रदेश के झांसी, मध्य प्रदेश के रायपुरा एवं छतरपुर गांव का जिक्र किया जहां महिलाओं ने सामूहिक प्रयासों से वहां के तालाबों और नदियों को नया जीवन दिया।

मोदी ने कहा कि 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत अभियान के भी 10 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अवसर उन लोगों के अभिनंदन का है जिन्होंने इसे भारतीय इतिहास का इतना बड़ा जन-आंदोलन बना दिया। ये महात्मा गांधी जी को भी सच्ची श्रद्धांजलि है, जो जीवनपर्यंत, इस उद्देश्य के लिए समर्पित रहे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मेक इन इंडिया अभियान के इस महीने 10 साल पूरे हुए हैं। इस अभियान से गरीब, मध्यम वर्ग और लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों को बहुत फायदा मिल रहा है। मोदी ने स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने पर जोर देते हुए देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे आगामी त्योहारों के सीजन में तथा आम जीवन में भी स्थानीय उत्पाद ही खरीदें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब हम हमारी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करते है, तो दुनिया भी उसे सम्मान देती है। उन्होंने कहा कि उनकी अमेरिका यात्रा के दौरान अमेरिकी सरकार ने भारत को करीब 300 प्राचीन कलाकृतियों को वापस लौटाया है। जिनमें हजारों साल पुरानी, हाथी के दांत, लकड़ी, तांबा और कांसे जैसी चीजों से बनी कलाकृतियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में मातृ-भाषा को सहेजने, पारंपरिक जड़ी-बूटियों की उपयोगिता और रचनात्मकता पर भी बात की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्वच्छ भारत, मेक इन इंडिया, एवं एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियानों के माध्यम से देशवासियों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का संदेश दिया है। शर्मा ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी अपने सकारात्मक एवं प्रेरणादायक विचारों से देशवासियों को सदैव प्रेरित करते हैं। इस दौरान जयपुर ग्रेटर नगर निगम के उपमहापौर पुनीत कर्णावट सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित रहे।

जयपुर में साइकिल चलाकर हृदय स्वास्थ्य और स्वच्छता का दिया संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी एवं गुलाबी नगरी जयपुर में 'विश्व हृदय दिवस' पर रविवार सुबह लोगों ने साइकिल चलाकर हृदय स्वास्थ्य और स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर एयू जयपुर साइक्लोथॉन के जरिए साइकिलिंग फेस्टिवल का आयोजन किया गया। यह आयोजन हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने और स्वच्छता के महत्व को उजागर करने के उद्देश्य से जयपुर रनर्स क्लब, रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 और संस्कृति युवा संस्था द्वारा आयोजित किया गया। इसमें एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, इटरनल हॉस्पिटल एवं जयपुर नगर निगम का सहयोग भी शामिल रहा। इस साइक्लोथॉन में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट (आईआईइएमआर) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संस्कृति युवा संस्थान के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा, दीपक जैन, चीफ रिस्क ऑफिसर, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, एनएवी बैंक के एमडी अनिल अग्रवाल, एआरएल इंफ्राटेक लिमिटेड के एमडी प्रमोद जैन पहाड़िया, सिटी वाइब्स के चेयरमैन राजेश अग्रवाल, रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 की गर्वनर राखी गुप्ता, जेपीआईएस ग्रुप की निदेशक जयपेरिवाल व डॉ. संजीव शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे।

इस दौरान जयपुर रनर्स क्लब के फाउंडर रवि गोयनका, एयू जयपुर साइक्लोथॉन के आयोजक मुकेश मिश्रा, जयपुर रनर्स क्लब के अध्यक्ष प्रवीण तिजारिया, और डॉ. संजीव शर्मा सहित अन्य आयोजक समिति के सदस्य भी मौजूद थे। मुख्य अतिथि पंडित सुरेश मिश्रा ने कहा कि साइकिलिंग न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि यह हमें एक सक्रिय और फिट जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है। हमें अपने दिल की सेहत को प्राथमिकता देनी चाहिए और नियमित व्यायाम करना चाहिए।

डॉ. संजीव शर्मा ने बताया कि स्वस्थ हृदय के लिए तीन महत्वपूर्ण पैरामीटर हैं, हेल्दी डाइट, फिजिकल हेल्थ, और स्ट्रेस मैनेजमेंट। उन्होंने फिटनेस के प्रति जागरूकता और सही लाइफस्टाइल को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. शर्मा ने कहा कि वर्ल्ड हार्ट डे का आयोजन लोगों को हेल्थी लाइफस्टाइल के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से किया जाता है। इस बार 'यूज़ हार्ट फॉर एक्शन' थीम के तहत एयू जयपुर साइक्लोथॉन ने एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है कि सुबह की गतिविधियों में भाग लेकर हम सभी हेल्दी हार्ट के प्रति कदम बढ़ा सकते हैं।

एयू जयपुर साइक्लोथॉन के आयोजक मुकेश मिश्रा और जयपुर रनर्स क्लब के को फाउंडर रवि गोयनका ने बताया कि साइक्लोथॉन में विभिन्न राइड कैटेगरी रखी गई थी। इसमें दो किलोमीटर की जूनियर राइड, पांच किलोमीटर की जॉय राइड, 10 किलोमीटर की फन राइड, 25 किलोमीटर की फिट राइड, 50 किलोमीटर की टाइगर जगजीत सिंह मेमोरियल राइड, और 100 किमी की डी जयपुर राइड शामिल थीं। इन सभी राइड्स की शुरुआत गांधी सर्किल से शुरू होकर अपेक्स सर्किल, डी-मार्ट, अक्षय पात्र जंक्शन और बॉम्बे हॉस्पिटल होते हुए पुन: गांधी सर्किल पहुंचे। राइड के दौरान, प्रतिभागियों ने अपने हुनर और ऊर्जा का शानदार प्रदर्शन किया।

इस आयोजन ने न केवल फिटनेस को बढ़ावा दिया बल्कि शहरवासियों को एकजुट करने का भी कार्य किया, जिससे हर उम्र के साइकिल प्रेमियों ने अपनी प्रतिभा का जश्न मनाया। इस दौरान सभी उम्र के प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कुछ प्रतिभागियों ने तो केवल दो घंटे से भी कम समय में 100 किमी की राइड पूरी की, जो उनकी उत्कृष्ट फिटनेस और समर्पण को दर्शाता है। दीपक शर्मा ने इस अनुभव के बारे में कहा, 100 किमी की डी जयपुर राइड एक जॉयफुल एक्सपीरियंस है, जो जयपुर के लोगों को एक साथ लेकर आती है। यह न केवल शारीरिक क्षमता की परीक्षा है।

तेंदुए के हमले में बुजुर्ग महिला की मौत

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले के गोगुंदा थाना क्षेत्र में शनिवार को संदिग्ध रूप से तेंदुए के हमले में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार गट्टू बाई (65) अपने घर पर अकेली थी। जब शाम को उनके पति काम से घर लौटे तो उन्हें वह नहीं मिली। उन्होंने गांव वालों को सूचना दी। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों को जंगल में बुजुर्ग महिला की साड़ी के टुकड़े, कुछ गहने और खून के निशान जंगल में मिले और कुछ दूरी पर महिला का क्षत-विक्षत शव मिला।

वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही यह पता चलेगा कि महिला की मौत जानवर के हमले से हुई थी या नहीं।

रैली

जयपुर में रविवार को युवा शक्ति मंच राजस्थान के सदस्य रामगंज बाजार में हिंदू राष्ट्र की स्थापना, समान नागरिक संहिता के क्रियान्वयन और जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को लेकर रैली निकालते हुए।

लॉरेंस बिश्नोई साक्षात्कार मामले में प्राथमिकी दर्ज

जयपुर। जयपुर पुलिस ने एक समाचार चैनल पर पिछले साल मार्च में प्रसारित कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के साक्षात्कार के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की है। जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बताया कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद जयपुर में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पंजाब पुलिस ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। पुलिस उपायुक्त-जयपुर (पूर्व) तेजस्विनी गौतम ने बताया कि पंजाब पुलिस की एसआईटी ने पाया कि साक्षात्कार के समय बिश्नोई जयपुर जेल में था। जयपुर केंद्रीय कारागार लालकोठी थाने के क्षेत्राधिकार में आता है और इसलिए मामला यहीं दर्ज किया गया। गांधी नगर के सहायक पुलिस आयुक्त नारायण कुमार बाजिया ने बताया कि शुक्रवार को मामला दर्ज किया गया। अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच की जाएगी और सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। साक्षात्कार प्रसारित होने के बाद जयपुर के तत्कालीन पुलिस आयुक्त आनंद श्रीवास्तव ने दावा किया था कि बिश्नोई ने जयपुर में रहते हुए कोई साक्षात्कार नहीं दिया।

पुरानी रंजिश के चलते तीन बच्चों पर चढ़ाया ट्रैक्टर, एक की मौत, दो घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। भरतपुर के कुम्हेर थाना क्षेत्र के गांव जया में 28 सितंबर को पुरानी रंजिश के चलते एक व्यक्ति ने तीन मासूम बच्चों पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया, जिसमें एक बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना उस वक्त हुई जब बच्चे अपने घर के दरवाजे पर खेल रहे थे। संजय, पुत्र बच्चू सिंह, ने बताया कि गांव का राजेंद्र उनके परिवार से मजदूरी करवाना चाहता था, लेकिन उनके इनकार करने पर वह नाराज हो गया और पुरानी रंजिश के चलते धमकी देता था। घटना से कुछ दिन पहले राजेंद्र ने संजय को जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर धमकाया था कि वह उन्हें ट्रैक्टर से कुचलकर मार डालेगा। 28 सितंबर की सुबह, राजेंद्र के चचेरे भाई का बेटा पंकज ट्रैक्टर लेकर गांव में आया और बच्चों को देखकर जानबूझकर उन पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया।

घायलों को तुरंत कुम्हेर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से गंभीर स्थिति में तीनों बच्चों को भरतपुर के जिला आरबीएम अस्पताल रैफर कर दिया गया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने रोहन को मृत घोषित कर दिया, जबकि कान्हा के पैर में फैक्चर है और तीसरे बच्चे नवजीत को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। घटना के बाद जाटव समाज के लोग बड़ी संख्या में आरबीएम हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर इकट्ठे हो गए और आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि जब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, तब तक मृतक का पोस्टमार्टम नहीं कराया जाएगा।

कुम्हेर थाना प्रभारी बनवारी लाल ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित परिवार की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और पीड़ित परिवार से समझाइश की जा रही है ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके।

चार दिवसीय ग्लोबल सम्मिट का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी उद्घाटन, तीन अक्टूबर को पहुंचेंगी आबूरोड

जयपुर। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मुख्यालय शांतिवन में आयोजित चार दिवसीय ग्लोबल सम्मिट का 4 अक्टूबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उद्घाटन करेंगी। राष्ट्रपति विशेष विमान से 3 अक्टूबर को शाम को शांतिवन पहुंचेंगी, जहां रात्रि विश्राम के बाद 4 अक्टूबर को सुबह 10 बजे ग्लोबल सम्मिट का विधिवत शुभारंभ करेंगी। 'आध्यात्मिकता द्वारा स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज' विषय पर आयोजित इस समिट में देश-विदेश से अपने-अपने क्षेत्रों की जानीं-मानीं हस्तियां भाग लेंगी।

सम्मिट के संयोजक व संस्थान के कार्यकारी सचिव डॉ. बीके मृत्युंजय ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मुख्यालय में ग्लोबल समिट आयोजित की जा रही है। इसमें देशभर से धर्म, अध्यात्म, शिक्षा, राजनीति, व्यापार और मीडिया जगत की दिग्गज हस्तियां भाग लेंगी। 4 अक्टूबर को सुबह 10 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

द्वारा सम्मिट का शुभारंभ किया जाएगा। दो सत्रों में समिट में कुल आठ सत्र आयोजित किए जाएंगे। वहीं रात में देशभर से आए कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। सम्मिट को लेकर जल्द ही तैयारियां शुरू की जाएंगी। कार्यकारी सचिव डॉ. बीके मृत्युंजय ने बताया कि राष्ट्रपति बनने के बाद मुर्मू पहली बार 3 जनवरी 2023 को शांतिवन पहुंचीं थीं, जहां उन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित आध्यात्मिकता से स्वर्णिम भारत का उदय कार्यक्रम में भाग लिया था।

तीन चरणों में होगा पशु चिकित्सा अधिकारियों का प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन विभाग द्वारा नवनियुक्त पशु चिकित्सा अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 सितंबर से प्रारंभ किया जा रहा है। सोमवार को टोंक रोड स्थित पशुधन भवन में दोपहर 3:00 बजे पशुपालन विभाग के शासन सचिव डॉ समित शर्मा इस प्रशिक्षण का ऑनलाइन शुभारंभ करेंगे। विभाग के शासन सचिव ने बताया कि चिकित्सा अधिकारियों को क्लीनिकल प्रशिक्षण और राज्य सेवा के विभिन्न आवश्यक राजकीय नियम, प्रोक्योरमेंट नियम तथा विभाग की प्रमुख योजनाओं आदि के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाना आवश्यक है साथ ही सर्जिकल प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी बहुत जरूरी है।

उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। पहला चरण 23 दिवस का होगा जिसमें उन्हें सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें 30 सितंबर से 22 अक्टूबर तक प्रतिदिन दो घंटे का ऑनलाइन सेशन होगा जिसमें विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ अपना व्याख्यान देंगे। शासन सचिव ने बताया कि इस प्रशिक्षण के बाद उन्हें लगभग चार सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा जिसमें प्रत्येक नवनियुक्त पशु चिकित्सा अधिकारी अपने निकटतम पॉलीक्लिनिक अथवा प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय में विभिन्न प्रकार की आवश्यक सर्जिकल प्रक्रियाओं में हैंड्स ऑन ट्रेनिंग प्राप्त कर सकेंगे। दोनों प्रशिक्षणों में प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण का तीसरा चरण जयपुर में आयोजित होगा, जहां सभी पशु चिकित्सा अधिकारियों को अपने अनुभव साझा करने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला में बुलाया जाएगा। इस कार्यशाला में उनका लिखित और मौखिक मूल्यांकन भी किया जाएगा। अंतिम दिन उन्हें वेटरिनेरियंस ओथ दिलाई जाएगी। शासन सचिव ने कहा कि सभी पशु चिकित्सा अधिकारी अपने प्रशिक्षण को गंभीरता से लेते हुए अपने ज्ञान और कौशल में अभिवृद्धि करेंगे। भविष्य में यह सभी पशु चिकित्सा अधिकारी विभाग के लिए मूल्यवान साबित होंगे और विभागीय योजनाओं की क्रियान्विति एवं अपनी सेवाएं प्रदान करने में अपना श्रेष्ठतम योगदान देंगे।

बांस की खेती बदल सकती है पश्चिमी राजस्थान की तस्वीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान में रेगिस्तान के शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र में बांस की खेती का प्रयोग सफल रहा तो पश्चिमी राजस्थान की तस्वीर बदल सकती है। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में कृषि वैज्ञानिकों ने रेगिस्तानी क्षेत्र में बांस की खेती की संभावनायें तलाशते हुए प्रयोग के तौर पर ढाई महीने पहले बांस की 11 विभिन्न प्रजातियों के करीब 200 पौधे लगाए। इसके शुरुआती नतीजे उत्साहर्वद्धक मिले हैं, बांस के पौधों के आकार में अच्छी वृद्धि देखी जा रही है।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने रविवार को बताया कि कृषि महाविद्यालय बीकानेर ने राष्ट्रीय बांस अभियान के तहत शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र के लिए 'बांस एक प्रारंभिक प्रयास' परियोजना केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय को भेजी थी। इस परियोजना का भारत सरकार से अनुमोदन मिलने पर गुजरात के नवसारी कृषि विश्वविद्यालय और देहरादून के भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान से बांस की 11 विभिन्न प्रजातियों के करीब 200 पौधे मंगवाकर यहां लगाये गये।

उन्होंने बताया कि कुल 47 लाख रुपये की बांस परियोजना का उद्देश्य पश्चिमी राजस्थान की शुष्क जलवायु में बांस की वृद्धि और उत्पादन का अध्ययन करना है। साथ ही शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र में उपयुक्त बांस प्रजातियों की पहचान करना है जो इस क्षेत्र की जलवायु एवं मृदा के उपयुक्त हो। यह भी देखा जाएगा कि पौधों के बीच आपसी दूरी कितनी रखी जाए कि पौधे में अधिक से अधिक वृद्धि हो और किसान की आय बढ़े।

डॉ अरुण कुमार ने बताया कि बांस की खेती किसानों को आर्थिक दृष्टि से भी फायदेमंद रहेगी। बांस से हस्तशिल्प (चटाई, टोकरी, उपकरण, खिलौने एवं बर्तन) का सामान और फर्नीचर आदि बनाये जाते हैं। इसके उत्पादों में मूल्य संवर्धन से किसानों को अतिरिक्त आय होगी। उन्होंने बताया कि बांस पर्यावरण प्रदूषण को भी कम करता है। साथ ही जल स्तर बढ़ाने में सहायक है। मिट्टी की जल धारण क्षमता भी बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि बांस की खेती भविष्य में पश्चिमी

राजस्थान के किसानों की आर्थिक उन्नति का कारण बनेगी। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता और उद्यान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ पीके यादव ने बताया कि बांस की खेती राजस्थान के लिए नयी नहीं है। बांसवाड़ा में बांस की खेती पहले से होती आ रही है, लेकिन पश्चिमी राजस्थान की शुष्क जलवायु और कम पानी में बांस की कौनसी प्रजाति आसानी से उगाई जा सकती है, इसकी संभावनायें तलाशी जा रही हैं। शुष्क क्षेत्र में बांस जैसी नयी फसल स्थापित होने से किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकेगी। डॉ यादव ने बताया कि बांस एक बहूपयोगी, मजबूत, नवीकरणीय और पर्यावरणानुकूल और पृथ्वी पर सबसे तेजी से बढ़ने वाला काष्ठीय पौधा है। पूरे जीवन में यह 25 मीटर या उससे अधिक की लंबाई तक बढ़ता है। बांस को हर वर्ष पुनः लगाने की आवश्यकता नहीं होती। तीन से पांच वर्ष के चक्र में स्थायी रूप से काटा जा सकता है। बांस अविकसित और खराब भूमि, ऊँचे भूभाग, खेत की मेड़ों एवं नदी किनारों पर भी उगाया जा सकता है और इसकी फसल में कम पानी की जरूरत पड़ती है। कृषि विश्वविद्यालय में भी बूंद बूंद सिंचाई प्रणाली के जरिए इसमें सिंचाई की जा रही है।

उन्होंने बताया कि तीन वर्षीय कार्ययोजना के तहत बेहतर प्रदर्शन करने वाली बांस प्रजाति का चयन और उनका नर्सरी में बड़े पैमाने पर गुणन किया जाएगा। साथ ही किसानों एवं अन्य हितधारकों को प्रशिक्षण, किसानों के खेत में बांस का प्रदर्शन इकाई स्थापित करना और बेहतर प्रदर्शन करने वाली बांस प्रजातियों का किसानों के खेत में रोपण किया जाएगा। डा. यादव ने बताया कि बांस के उत्पादन में असम देश का सबसे बड़ा बांस उत्पादक राज्य है। चीन के बाद भारत बांस का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। राजस्थान में इसका उत्पादन उदयपुर जिले में होता है। असम में बांस प्रौद्योगिकी पार्क भी है।

भाजपा नेता के पुत्र ने की आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर के अरावली विहार थाना क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता राजेंद्र सैनी के 22 वर्षीय पुत्र ने अज्ञात कारणों के चलते घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अरावली विहार थाने के पुलिस उपनिरीक्षक रामस्वरूप ने रविवार को बताया कि सुबह साढ़े सात बजे अरावली विहार थाने पर सूचना मिली कि सौनावा डूंगरी निवासी भाजपा नेता राजेंद्र सैनी के पुत्र गौरव ने आत्महत्या कर ली। इस घटना के चलते केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का रविवार को होने वाले कार्यक्रम निरस्त कर दिए गए।

इस घटना के बाद वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा और पार्टी कार्यकर्ता जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाया। फिलहाल पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में झांसी की महिलाओं को सराहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झांसी/लखनऊ/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में घूरारी नदी को नया जीवन देने के लिए झांसी जिले की महिलाओं के उल्लेखनीय जल संरक्षण के प्रयासों की सराहना की।

घूरारी नदी को नया जीवन देने और पानी की बर्बादी रोकने के लिए झांसी की महिलाओं की प्रशंसा करते हुए मोदी ने कहा कि यह देश के जल संकट को दूर करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झांसी में विशेष रूप से पानी की कमी वाले बुंदेलखंड क्षेत्र में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिलाओं के प्रयासों को मान्यता देने के लिए मोदी को धन्यवाद दिया।

बयान में कहा गया कि इन महिलाओं ने 'जल सहेली' के रूप में घूरारी नदी को पुनर्जीवित करने के अभियान का नेतृत्व किया। इन महिलाओं ने मृतप्राय हो चुकी घुरारी नदी को जिस तरह से बचाया है, उसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। बयान के मुताबिक महिलाओं ने बोरियों में बालू भरकर 'चेकडैम' (छोटा बांध) तैयार किया, बारिश का पानी बर्बाद होने से रोका और नदी को पानी से लबालब कर दिया। इससे इस क्षेत्र के लोगों की पानी की समस्या तो दूर हुई ही, उनके चेहरे पर खुशियां भी लौट आईं। उन्होंने कहा कि कहीं नारी शक्ति जल शक्ति को बढ़ाती है तो कहीं जल शक्ति भी नारी शक्ति को मजबूत करती है।

उल्लेखनीय है कि झांसी के बबीना विकास खंड के सिमरावारी गांव में जल सहेलियों ने यह अनोखी पहल की थी। उन्होंने घुरारी नदी को पुनर्जीवित करने के लिए छह दिनों तक श्रमदान किया। बोरियों में बालू भरकर नदी का पानी रोक कर जलाशय बनाया और नदी को पानी से लबालब कर दिया।

श्रोता ही हैं 'मन की बात' के असली सूत्रधार, सकारात्मक बातें लोगों को पसंद हैं

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रोताओं को 'मन की बात' कार्यक्रम का असली 'सूत्रधार' करार देते हुए रविवार को कहा कि इस रेडियो कार्यक्रम ने साबित किया है कि देश के लोगों में सकारात्मक जानकारी की कितनी भूख है और सकारात्मक बातें एवं प्रेरणादायी उदाहरण उन्हें बहुत पसंद आते हैं। आकाशवाणी के इस मासिक रेडियो कार्यक्रम की 114वीं कड़ी को संबोधित करते हुए मोदी ने जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता अभियान के महत्व को भी रेखांकित किया और लोगों से इसमें भाग लेने का आह्वान किया। 'मन की बात' की इस कड़ी के साथ ही इसके 10 वर्ष पूरे होने का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि इस कार्यक्रम की लंबी यात्रा में ऐसे कई पड़ाव आए जिन्हें वह कभी भूल नहीं सकते। उन्होंने कहा, ''हमारी इस यात्रा के कई ऐसे साथी हैं जिनका हमें निरंतर सहयोग मिलता रहा है। देश के कोने-कोने से उन्होंने जानकारियां उपलब्ध कराईं। 'मन की बात' के श्रोता ही इस कार्यक्रम के असली सूत्रधार हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि आमतौर पर एक धारणा ऐसी गढ़ी गई है कि जब तक किसी कार्यक्रम में चटपटी और नकारात्मक बातें ना हों तब तक उसे ज्यादा तवज्जो नहीं मिल पाती। उन्होंने कहा, ''लेकिन मन की बात ने साबित किया है कि देश के लोगों में सकारात्मक जानकारी की कितनी भूख है। सकारात्मक बातें एवं प्रेरणादायी उदाहरण लोगों को बहुत पसंद आते हैं।''

जल सहेलियों ने केवल एक नदी के पुनर्जीवन का काम ही नहीं किया है, बल्कि इससे उन्होंने समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश भी दिया है। नदी में रोके गए पानी से स्थानीय लोगों को नहाने और जानवरों को पीने का पानी उपलब्ध हो रहा है। बयान में कहा गया कि झांसी ही नहीं, पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र में योगी सरकार ने जल संरक्षण के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किए हैं और तमाम चुनौतियों को पीछे छोड़ते हुए विंध्य और बुंदेलखंड के ज्यादातर परिवारों को पानी के कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं।

बाघ ने किया किसान पर हमला, गंभीर रूप से घायल

लखीमपुर खीरी/भाषा। उत्तर प्रदेश में लखीमपुर खीरी जिले के दक्षिण खीरी वन प्रभाग के महेशपुर में रविवार को गन्ने के खेत में छिपे एक बाघ ने 40 वर्षीय एक किसान पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि भदैया गांव का निवासी तेजपाल अपने गन्ने की फसल की देखभाल करने के लिए खेतों में गया था तभी बाघ ने उस पर हमला कर दिया। इस घटना में तेजपाल के सिर और चेहरे पर गहरी चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि पास-पड़ोस के खेतों में काम कर रहे किसानों ने शोर मचाकर बाघ को भगाया और घायल व्यक्ति को बचाया तथा उसे पास में ही स्थित गोला स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां प्रारंभिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) संजय बिस्वाल ने व्यक्ति पर बाघ के हमले की पुष्टि की और कहा कि शख्स का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। बिस्वाल ने बताया कि उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) से बात की है जिन्होंने कहा है कि शख्स की हालत गंभीर है, लेकिन खतरे से बाहर है। बिस्वाल ने कहा कि रविवार को भदैया गांव में हमला करने वाला बाघ महेशपुर रेंज में 27 अगस्त और 11 सितंबर को दो लोगों की मौत का कारण बनने वाला बाघ नहीं है।

लोजपा के गठबंधन के साथ या अकेले झारखंड चुनाव लड़ने पर विचार जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। केंद्रीय मंत्री एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ेगी और गठबंधन में या अकेले चुनाव लड़ने सहित सभी विकल्पों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है।

पासवान ने यह बयान ऐसे समय दिया है जब एक दिन पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को घोषणा की थी कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों 'ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन' (आजसू) और जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) के साथ मिलकर लड़ेगी।

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री ने धनबाद जाते समय रांची के बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''लोजपा की प्रदेश इकाई गठबंधन या अकेले चुनाव लड़ने सहित सभी विकल्पों पर विचार-विमर्श कर रही है...।''

लोजपा (रामविलास) केंद्र में भाजपा-नीत राजग सरकार का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि झारखंड में पार्टी का मजबूत जनाधार है।

पासवान ने कहा, ''जब मेरा जन्म हुआ, तब झारखंड एकीकृत बिहार का हिस्सा था। यह मेरे पिता की कर्मभूमि रहा है। पार्टी ने राज्य में मजबूत जनाधार बनाया है। ऐसे में यह निर्णय लिया गया है कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेगी।'' केंद्रीय मंत्री ने धनबाद में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पार्टी चुनाव की तैयारियों में जुट गई है और जल्द ही अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करेगी।

असम के मुख्यमंत्री ने शनिवार को कहा था, ''भाजपा, आजसू और जद(यू) के साथ मिलकर झारखंड चुनाव लड़ेगी। सहयोगियों के साथ 99 प्रतिशत सीट पर सहमति बन गई है। बाकी की एक या दो सीट के लिए बातचीत जारी है और इन पर जल्द ही फैसला लिया जाएगा।'' शर्मा ने कहा कि इस संबंध में औपचारिक घोषणा 'पितृ पक्ष' के बाद की जाएगी जो दो अक्टूबर को समाप्त हो रहा है।

धनबाद के नेहरू स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में एक रैली को संबोधित करते हुए पासवान ने कहा, ''मैंने पहली बार देखा है कि झारखंड में किसी मुख्यमंत्री को भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जाना पड़ा है।'' उन्होंने दावा किया कि झारखंड के युवाओं और छात्रों को बेहतर अवसरों के लिए देश के अन्य हिस्सों में पलायन करना पड़ता है।

पासवान ने कहा कि आगामी चुनाव जाति, पंथ या धर्म की लड़ाई नहीं है, बल्कि विकसित झारखंड की लड़ाई है।

झारखंड में 81-सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव इस साल के अंत में प्रस्तावित है।

नीतीश कुमार सरकार 'चार सेवानिवृत्त नौकरशाह' चला रहे हैं : प्रशांत किशोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राजनीतिक रणनीतिकार से सियासतदां बने प्रशांत किशोर ने रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला करते हुए उनपर चार सेवानिवृत्त नौकरशाहों के माध्यम अपनी सरकार चलाने का आरोप लगाया।

अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी गठित करने से तीन दिन पहले यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए किशोर ने जद(यू) अध्यक्ष कुमार को सत्ता से हटाने का संकल्प लिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव 'तीन एस' यानी 'शराब', 'सर्वे' (भूमि) और 'स्मार्ट मीटर' के मुद्दे पर लड़ा जाएगा। किशोर ने कहा कि ये मुद्दे मौजूदा शासन के ताबूत में अंतिम कील साबित होंगे।

किशोर ने आरोप लगाया, नीतीश कुमार सरकार चार सेवानिवृत्त नौकरशाहों द्वारा चलाई जा रही है। मुख्यमंत्री इन बाबुओं के चंगुल में हैं। न तो कुमार और न ही ये नौकरशाह लोगों की समस्याओं से अवगत हैं। कुमार अब बदल गए हैं। उन्होंने अपनी नैतिकता खो दी है और वह केवल मुख्यमंत्री की कुर्सी को बचाए रखने में रुचि रखते हैं। उनकी 'जन सुराज' पहल दो अक्टूबर को एक राजनीतिक पार्टी बन जाएगी।

किशोर ने कहा, जब हम 2025 के विधानसभा चुनाव के बाद बिहार में सरकार बनाएंगे, तो हम एक घंटे के भीतर शराबबंदी खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा, शराबबंदी सिर्फ कागजों में है। ज़मीनी हकीकत यह है कि शराब की दुकानों को बंद कर दिया गया है, लेकिन 'होम डिलीवरी' धड़ल्ले से चल रही है।

किशोर ने कहा कि जन सुराज शुरू से ही शराबबंदी के खिलाफ रहा है, क्योंकि राज्य में मौजूदा शराबबंदी कानून 'फर्जी' है... हर साल 20,000 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है।

गाजीपुर में गांजा वाले बयान पर

सांसद अफजाल अंसारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

गाजीपुर (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अफजाल अंसारी के खिलाफ गांजा पर कानून बनाने संबंधी बयान देने के मामले में रविवार को प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार सपा सांसद के खिलाफ उस बयान के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई, जिसमें उन्होंने 'गांजा' से संबंधित कानून बनाने की वकालत की थी और कहा था कि कुंभ मेले के दौरान एक पूरी मालगाड़ी भी अपर्याप्त साबित होगी।

गाजीपुर कोतवाली थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) दीनदयाल पांडेय ने बताया कि गोरा बाजार पुलिस चौकी प्रभारी राजकुमार शुक्ला ने गाजीपुर थाने में सपा सांसद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 353(3) (सार्वजनिक उपद्रव के लिए उकसाने वाला बयान) के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है।

अंसारी ने हाल ही में एक बयान में 'गांजा' के बारे में बात की थी, जिसमें उन्होंने कहा था चूंकि बहुत से लोग इसका सेवन करते हैं, इसलिए इसके लिए कानून होना चाहिए और इसे कानूनी दर्जा दिया जाना चाहिए।

उन्होंने यहां तक कहा कि कुंभ मेले के दौरान एक मालगाड़ी का पूरा माल भी कम पड़ जाएगा और यह भी कहा कि धार्मिक आयोजनों और त्योहारों के दौरान इसका इस्तेमाल किया जाता है, जहां इसे प्रसाद माना जाता है।

इंटरनेट सेवा बंद होने के बीच

असम में तृतीय श्रेणी के पदों पर भर्ती के लिए हुई लिखित परीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम सरकार में तृतीय श्रेणी के पदों पर भर्ती के लिए रविवार को लिखित परीक्षा, व्यापक इंतजामों और मोबाइल इंटरनेट सेवा आठ घंटे के लिए बंद किए जाने के बीच राज्य भर में आयोजित की गयी।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कुल 7,34,080 उम्मीदवार असम सीधी भर्ती परीक्षा (एडीआरई) के दूसरे चरण के लिए पात्र हैं। ये परीक्षा स्नातक डिग्री स्तर और एचएसएलसी स्तर के पदों के लिए आयोजित की गयी।

यह दूसरी बार है जब तृतीय श्रेणी के पदों पर भर्ती के लिए आयोजित लिखित परीक्षा के दौरान गड़बड़ी रोकने के लिए सितंबर में राज्य में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद की गई हैं। सूत्रों ने बताया कि दो सत्रों में आयोजित परीक्षा सुचारू एवं शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई।

परीक्षा शुरू होने से कई घंटे पहले अभ्यर्थी परीक्षा केंद्रों के बाहर कतारों में खड़े हो गए और राज्य स्तरीय भर्ती आयोग (एसएलआरसी) के दिशा-निर्देशों के अनुसार उनकी गहन तलाशी ली गई।

अधिकारियों द्वारा की गई व्यवस्थाओं के अतिरिक्त, अभ्यर्थियों को परीक्षा के सुचारू एवं पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए अनेक निर्देश दिए गए।

अभ्यर्थियों से कहा गया था कि वे परीक्षा केंद्र का स्थान पहले से सुनिश्चित कर लें तथा परीक्षा शुरू होने से कम से कम डेढ़ घंटे पहले वहां पहुंच जाएं।

गृह एवं राजनीतिक विभाग ने अभ्यर्थियों की तलाशी के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है।

यह एसओपी परीक्षा के पहले चरण के दौरान महिला अभ्यर्थियों की अनुचित तलाशी के आरोपों के बाद जारी की गई है, जिसमें कई महिलाओं ने दावा किया था कि महिला सुरक्षाकर्मियों ने उनके निजी अंगों को अनुचित तरीके से छुआ था।

महिला अभ्यर्थियों के लिए अलग से घेरा बनाया गया था तथा तलाशी क्षेत्र के पास एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका या आशा कार्यकर्ता मौजूद थीं।

अनुचित तलाशी के मामले में, उम्मीदवारों को तुरंत केंद्र प्रभारी को रिपोर्ट करने के लिए कहा गया। तेजी से तलाशी के लिए, उम्मीदवारों को आधी आस्तीन के कपड़े और जूते के बजाय चप्पल पहनने की सलाह दी गई थी।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में शनिवार को कहा गया कि मोबाइल इंटरनेट/मोबाइल डेटा/मोबाइल वाई-फाई कनेक्टिविटी सुबह 8.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक बंद रहेगी।

तृतीय श्रेणी के पदों के लिए राज्य-स्तरीय भर्ती आयोग के सचिव द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया, ''सभी से अनुरोध है कि वे स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती परीक्षा आयोजित करने एवं राज्य के युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए इस असुविधा को बर्दाश्त करें।''

तृतीय श्रेणी के रिक्त पदों के लिए लिखित परीक्षा के पहले चरण के आयोजन के समय 15 सितंबर को साढ़े तीन घंटे तक मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद रहीं।

हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में विफल हो गई हैं राहुल गांधी की गारंटी : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को हरियाणा में कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी की चुनावी गारंटियां हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों में विफल हो गई हैं, जहां कांग्रेस सत्ता में है।

शाह ने गुरुग्राम के बादशाहपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव के समय कांग्रेस बड़े-बड़े वादे करती है लेकिन वे हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में अपने चुनावी वादे पूरे नहीं कर पाए। शाह ने कहा, ''राहुल गांधी की गारंटियां नाकाम हो गईं।''

दूसरी ओर, केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि भाजपा ऐसा कोई वादा नहीं करती जिसे पूरा न किया जा सके। उन्होंने कहा, ''राहुल बाबा एंड कंपनी विकास नहीं कर सकती'' और 'डबल इंजन' वाली सरकार ही हरियाणा का विकास सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा, ''हम देश की सीमा को सुरक्षित रखेंगे, आरक्षण की रक्षा करेंगे और अनुच्छेद 370 को कभी वापस नहीं आने देंगे।''

वक्फ विधेयक का उल्लेख करते हुए शाह ने रैली में कहा, ''आपको वक्फ बोर्ड पर मौजूदा विधान से समस्या है... हम संसद के शीतकालीन सत्र में इसमें संशोधन करेंगे।''

पिछले महीने कई विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया था कि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना है और कहा था कि वे इसका कड़ा विरोध करेंगे।

बादशाहपुर से राव नरबीर सिंह सहित गुरुग्राम क्षेत्र में पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते हुए शाह ने कहा कि सेना में हर 10वां सैनिक हरियाणा से आता है।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा कि इंदिरा गांधी से लेकर मनमोहन सिंह तक कांग्रेस ने वन रैंक वन पेंशन की मांग पूरी नहीं की और नरेन्द्र मोदी सरकार ने 2015 में वन रैंक वन पेंशन दी।

अग्निपथ योजना को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए शाह ने राहुल गांधी को ''झूठ बोलने की मशीन'' बताया और आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता ने दावा किया है कि अग्निवीरों को नौकरी नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि अग्निवीर योजना सशस्त्र बलों को युवा बनाये रखने के लिए शुरू की गई है। कांग्रेस द्वारा इस मुद्दे पर लगातार भाजपा पर निशाना साधे जाने के बीच शाह ने जनसभा में कहा, ''अपने बच्चों को सेना में भेजने में संकोच न करें।

आईओए ईसी के सदस्यों का ध्यान खुद के फायदे और वित्तीय लाभ लेने पर: उषा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को 'अपने तरीके' से चलाने का आरोप लगाते हुए अध्यक्ष पीटी उषा ने रविवार को कार्यकारी परिषद (ईसी) में बगावत करने वाले सदस्यों पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि उनका मकसद देश के खेल की भलाई करने की जगह 'खुद के फायदे और मौद्रिक लाभ' लेने पर है।

उषा ने यहां एक आधिकारिक विज्ञप्ति में आरोप लगाया कि ''इनमें से कुछ ईसी सदस्यों का ट्रैक रिकॉर्ड बेहद संदिग्ध है। इसमें लैंगिक भेदभाव के आरोप और यहां तक कि उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले भी दर्ज हैं।'' उन्होंने कहा, ''भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एक खिलाड़ी के रूप में अपने 45 साल लंबे करियर में मैंने कभी ऐसे लोगों का सामना नहीं किया है जो हमारे खिलाड़ियों की आकांक्षाओं और हमारे देश के खेल भविष्य के प्रति इतने उदासीन हैं। इन व्यक्तियों का पूरा ध्यान खेल प्रशासन में उनकी लंबे समय तक उपस्थिति और नियंत्रण के माध्यम से खुद के फायदे और मौद्रिक लाभ लेने पर रहता है।''

इस पूर्व दिग्गज एथलीट ने बिना किसी का नाम लिए कहा, ''इसके अलावा यह बताना भी जरूरी है कि इनमें से कुछ ईसी सदस्यों के ट्रैक रिकॉर्ड बेहद संदिग्ध हैं। उन पर लैंगिक पूर्वाग्रह के आरोप हैं। यहां तक कि उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले भी दर्ज हैं।''

कार्यकारी परिषद के 12 सदस्यों ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सीनियर अधिकारी जेरोम पोइवे को पत्र लिखकर इस दिग्गज एथलीट पर तानाशाही से काम करने का आरोप लगाया।

भारतीय सैनिक के शहीद होने पर मुफ्ती को दुख नहीं होता : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हिज्बुल्ला नेता हसन नसरल्ला की हत्या को लेकर चुनाव प्रचार रद्द करने के लिए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती की रविवार को आलोचना की और कहा कि जब देश की सीमा पर कोई भारतीय सैनिक शहीद होता है तो उन्हें दुख नहीं होता।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की यह प्रतिक्रिया मुफ्ती की उस घोषणा के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि वह लेबनान और गाजा के शहीदों, विशेषकर हसन नसरल्ला के प्रति एकजुटता दिखाते हुए रविवार को अपना चुनाव अभियान रद्द करने जा रही हैं। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, जब सीमा पर कोई भारतीय सैनिक शहीद होता है तो महबूबा मुफ्ती को दुख नहीं होता। लेकिन अगर लेबनान में कोई नसरल्ला मरता है तो उन्हें बहुत दुख होता है। वह किस तरह का संदेश देना चाहती हैं। हालांकि हुसैन ने कहा कि भारत भी दुनिया में शांति चाहता है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपील कर रहे हैं कि युद्ध खत्म होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी शांति की अपील की थी।

धोनी बने 'अनकैप्ड' खिलाड़ी

बेंगलूरु/भाषा। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की संचालन परिषद में शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने फैसला किया कि जिन भारतीय खिलाड़ियों ने कम से कम पांच कैलेंडर वर्ष में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है, उन्हें 'अनकैप्ड' खिलाड़ी माना जायेगा।

हालांकि माना जा रहा है कि यह कदम इसलिए उठाया गया ताकि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) अपने स्टार क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को रिटेन कर सके जो आखिरी बार 2019 वनडे विश्व कप सेमीफाइनल में देश के लिए खेले थे।

बीसीसीआई की विज्ञप्ति के अनुसार, ''अगर कोई भारतीय खिलाड़ी संबंधित सत्र के आयोजन से पहले पिछले पांच कैलेंडर वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट (टेस्ट मैच, वनडे, ट्रेंटी 20 अंतरराष्ट्रीय) में शुरुआती एकादश में नहीं खेला है या उसके पास बीसीसीआई का केंद्रीय अनुबंध नहीं है तो एक 'कैप्ड' (अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाला) भारतीय खिलाड़ी 'अनकैप्ड' (जिसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला हो) हो जाएगा।

सुविचार

बेवजह मुस्कुराओ कल की चिंता की आड़ में, आज की खुशी का गला मत घोटो!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हानिया, नसरुल्लाह ...?

लेबनान में 'पेजरकांड' के बाद हिज्बुल्लाह के प्रमुख हसन नसरुल्लाह का खात्मा इजराइल की खुफिया एजेंसियों और सुरक्षा बलों के लिए बहुत बड़ी कामयाबी है। सालभर पहले जब हमास ने इजराइल पर अचानक हमला बोला था, तब यह तो माना जा रहा था कि इजराइल अपने नागरिकों की रक्षा करने के लिए बड़ी कार्रवाई करेगा, लेकिन वह इस हद तक जाएगा, इसकी उम्मीद कम ही थी। उसने हमास और हिज्बुल्लाह के कई लड़ाकों को मार गिराया। इसी दौरान हमास के राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख इस्माइल हानिया का खात्मा कर दिया। पेजरकांड के बाद यह शक जताया जाने लगा है कि ईरान के तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी जिस हेलीकॉप्टर हादसे के शिकार हुए, उसमें भी 'पेजर' की भूमिका हो सकती है! बीते एक साल में इजराइल जिस तरह से अपने 'शत्रुओं' तक पहुंचने में सफल रहा है, उससे यह बात खुलकर सामने आती है कि उसकी खुफिया एजेंसी मोसाद की जड़ें बहुत गहरी हैं। ईरान सरकार और हमास एवं हिज्बुल्लाह के नेतृत्व ने कल्पना भी नहीं की होगी कि मोसाद का नेटवर्क उनके यहां इस तरह फैला होगा! हानिया और नसरुल्लाह तो बहुत कड़ी सुरक्षा में रहते थे। उन तक पहुंचना किसी फौलादी किले को ढहाने जैसा था। दोनों के साथ हमेशा सशस्त्र सैनिक रहते थे, जिन्हें अत्यंत उच्च स्तर का प्रशिक्षण दिया जाता और उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि की सख्ती से जांच की जाती थी। इसके बावजूद दोनों अपने 'सुरक्षित ठिकानों' पर ही ढेर कर दिए गए। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के तेवर देखकर लगता नहीं कि वे यहीं रुक जाएंगे। वे नसरुल्लाह के मारे जाने को इजराइल के लिए अपने युद्ध लक्ष्यों को हासिल करने के वास्ते 'आवश्यक शर्त' बता चुके हैं। अब आशंका यह जताई जा रही है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली ख़ामेनेई पर संकट के बादल मंडरा सकते हैं, चूंकि इजराइल के खिलाफ जारी लड़ाई को पर्दे के पीछे से वे ही संचालित कर रहे हैं। हमास, हिज्बुल्लाह जैसे संगठनों को मदद ईरान से मिल रही है। ईरानी अख़बार इनके लड़ाकों का गुणगान कर रहे हैं।

सात अक्टूबर को, जब इस लड़ाई को शुरू हुए एक साल हो जाएगा, ईरानी नेतृत्व को इस बात पर विचार जरूर करना चाहिए कि संपूर्ण घटनाक्रम से क्या हासिल हुआ? इजराइल के साथ ईरान, फिलिस्तीन जैसे देशों के तनावपूर्ण संबंध पहले भी थे, लेकिन हमास के हमले ने आग में तेल डालने का काम किया था। अगर हमास इजराइल के नागरिकों पर हमले की पहल नहीं करता, उनका अपहरण नहीं करता तो बात यहां तक नहीं पहुंचती। छोटे बच्चों, लड़कियों और बुजुर्गों के साथ जिस तरह क्रूरता का बर्ताव किया गया, उससे हमास को मिलने वाली सहानुभूति में निश्चित रूप से कमी आई। आज जब यह कहा जाता है कि इजराइल की वायुसेना गाजा और लेबनान के आम लोगों पर बम बरसा रही है (यह कथन पूरी तरह गलत भी नहीं है) तो इसके जवाब में यह सवाल पूछा जाता है– '7 अक्टूबर को हमला क्यों किया था?' इजराइल ने गाजा में जो जवाबी कार्रवाई शुरू की थी, उसमें अब तक 41,500 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की रिपोर्टें हैं। अब लेबनान में जिस तरह बम बरसाए जा रहे हैं, उससे यह आंकड़ा बढ़ना तय है। यह एक साल इन देशों के लिए संघर्ष और तबाही लेकर आया है, जिसे रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने की जरूरत है। ईरान को हमास, हिज्बुल्लाह जैसे संगठनों को मदद देना और उकसाना बंद करना चाहिए। अयातुल्ला अली ख़ामेनेई की भूमिका एक 'शांतिरक्षक' की होनी चाहिए थी, लेकिन वे तो लड़ाई के नए-नए मोर्चे खोलने को आमादा हैं। उन्होंने हाल में भारत के खिलाफ टिप्पणी कर दी थी। उनका यह रवैया इजराइल के साथ शांति में बाधा ही बनेगा। ईरान, लेबनान, हमास, हिज्बुल्लाह के लिए इस लड़ाई के कई मायने हो सकते हैं। वे हार का जोखिम उठा सकते हैं, जबकि इजराइल के लिए तो यह अस्तित्व बचाने का सवाल है। वह हार का जोखिम उठा ही नहीं सकता। अगर इजराइल हारा तो उसका अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा।

ट्वीटर टॉक

2 अक्टूबर को 'स्वच्छ भारत मिशन' के 10 साल पूरे हो रहे हैं। यह अवसर उन लोगों के अभिनंदन का है जिन्होंने इसे भारतीय इतिहास का इतना बड़ा जन आंदोलन बना दिया। ये महात्मा गांधी जी को भी सच्ची श्रद्धांजलि है, जो जीवनपर्यंत, इस उद्देश्य के लिए समर्पित रहे।

–नरेन्द्र मोदी

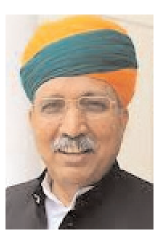

जम्मू कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी का विजय कमल खिलने जा रहा है । आज हीरानगर विधानसभा में आयोजित विजय संकल्प सभा में भाग लेकर भाजपा प्रत्याशी एडवोकेट विजय कुमार शर्मा जी के समर्थन में अधिकाधिक मतदान करने का आह्वान किया।

–अर्जुनराम मेघवाल

आज हरियाणा के रोहतक की जनसभा में जन-जन का उत्साह प्रतिबिंबित कर रहा है कि प्रदेशवासी यहाँ तीसरी बार कमल खिलाने के लिए तैयार है। हरियाणा में जब कांग्रेस की सरकार थी जमीनों के घोटाले होते थे, किसानों की भूमि हड़पी जाती थी।

–जेपी नड्डा

प्रेरक प्रसंग

निरंतरता की धार

एक दिन पृथ्वी, हवा और वर्षा एक बड़ी चट्टान से बातें कर रहे थे। चट्टान ने कहा, 'तुम सब एक साथ मिल जाओ, तब भी तुम मेरा मुकाबला नहीं कर सकती।' पृथ्वी और हवा दोनों इस बात पर सहमत थी कि चट्टान बहुत मजबूत है, पर वर्षा इस बात पर सहमत नहीं थी कि वह चट्टान का मुकाबला नहीं कर सकती। उसने कहा, 'तुम मजबूत हो, यह मैं जानती हूं, लेकिन मैं कमजोर नहीं।' इस बात को सुनकर पृथ्वी, हवा और चट्टान हंसने लगे। तब वर्षा ने कहा, देखो, मैं क्या कर सकती हूं। यह कहकर वह तेज गति से बरसने लगी। कई दिन बरसने पर चट्टान को कुछ नहीं हुआ। कुछ समय बाद पृथ्वी और हवा पुन: हंसने लगी। प्रति-उत्तर में वर्षा ने कहा, 'थोड़ा धैर्य रखो बहन।' वर्षा चट्टान पर लगातार दो वर्षों तक बरसती रही। उसके कुछ समय बाद हवा और पृथ्वी चट्टान से मिलने पहुंची। देखा, चट्टान बीच से कट गयी है। तब वर्षा ने कहा, 'यह छेद चट्टान को बलपूर्वक काटकर नहीं बनाया गया, बल्कि यह चट्टान पर मेरे लगातार, नियमित रूप से गिरने से बना है।'

सामयिक

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निर्माता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चौपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन-प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले।

दवा कारोबार की अनैतिकता से बढ़ता जीवन संकट

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने दवाइयों के क्वालिटी टेस्ट में 53 दवाओं को फेल कर दिया गया है। उनमें कई दवाओं की क्वालिटी खराब है तो वहीं दूसरी ओर बहुत सी दवाएं नकली भी बिक रही हैं। इन दवाओं में बीपी, डायबिटीज, एसिड रिफलक्स और विटामिन की कुछ दवाइयां भी शामिल हैं। इसके अलावा सीडीएससीओ ने जिन दवाओं को गुणवत्ता में फेल किया हैं उसमें बुखार उतारने वाली पैरासिटामोल, पेन किलर डिक्लोफेनेक, एंटीफंगल मेडिसिन फ्लुकोनाजोल जैसी देश की कई बड़ी फार्मास्युटिक्लस कंपनी की दवाएं भी शामिल हैं और इनको सेहत के लिए नुकसानदायक भी बताया गया है। निश्चित ही यह खबर परेशानी एवं चिन्ता में डालने वाली है। कैसी विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी होने से उन मरीजों की स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गयी हैं जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन-डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन-सी, एंटी-एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं।

रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। अमानक पाई गई दवाइयों के ये मामले तो तब आए हैं जब पहले से ही दवाओं की गुणवत्ता तय करने के लिए कई सख्त प्रक्रियाएं होती हैं। इनमें कच्चे माल की जांच और निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण तक शामिल होता है। इसके बावजूद नामी दवा निर्माता कंपनियों के उत्पाद भी मानकों पर खरे नहीं उतरें तो यह माना जाना चाहिए कि कम लागत में ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में ये कंपनियां नैतिकता एवं मानवीयता को ताक पर रखने लगी है। यह कोई पहला मौका नहीं है जब दवाइयां गुणवत्ता के पैमानों पर खरी नहीं उतरी हैं।

आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत को प्रभावित करते हैं। यह भी कि जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? फिलहाल इस बाबत कोई जानकारी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। निस्संदेह, यह शर्मनाक है और तंत्र की विफलता को उजागर करता है कि शारीरिक कष्टों से मुक्त होने के लिये लोग जो दवाएं खरीदते हैं, वे घटिया हैं? बहुत संभव है ऐसी घटिया दवाओं के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते होंगे। इस बाबत गंभीर शोध-अनुसंधान की जरूरत है। चिंता यह भी कि यदि रैंडम सैम्पलिंग में ये दवाइयां पकड़ी नहीं जाएं तो इनकी खुलेआम बिक्री लोगों की सेहत पर खतरा बन कर मंडराती रहती हैं। एक तरफ सीडीएससीओ ने दवाओं की सुगम आपूर्ति के लिए अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, कनाडा व यूरोपीय संघ के कुछ चुनिंदा देशों से आयातित दवाओं को नियमित नमूना परीक्षण से छूट दी है, वहीं देश के बाजारों में पहुंची दवा निर्माता कंपनियों की दवाओं में मिलने वाली यह खोट हमारी छवि पर विपरीत असर डालने वाली है। दवा परीक्षण में किसी भी स्तर पर लापरवाही अक्षम्य ही है क्योंकि दवा कारोबार में हेराफेरी का खेल लोगों की जान का दुश्मन बन सकता है। विडंबना देखिए कि ताकतवर और धनाढ्य वर्ग द्वारा संचालित इन दवा कंपनियों पर राज्य सरकारें भी जल्दी हाथ डालने से कतराती हैं। जिसकी कीमत आम लोगों को ही चुकानी पड़ती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मानवीय मूल्यों में इस हद तक गिरावट आई है कि लोग अपने मुनाफे के लिये पीड़ित मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी नहीं चूक रहे हैं। व्यथित करने वाली बात है कि गुणवत्ता एवं मानक में फेल होने वाली दवाओं में पेट में इंफेक्शन रोकने वाली एक चर्चित दवा भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि इसी साल अगस्त में केंद्र सरकार ने 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन यानी एफडीसी दवाओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। दरअसल, ये दवाइयां आमतौर पर सर्दी व बुखार, दर्द निवारक, मल्टी विटामिन और एंटीबायोटिक्स के रूप में इस्तेमाल की जा रही थी। मरीजों के लिये नुकसानदायक होने की आशंका में इन दवाइयों के उत्पादन, वितरण व उपयोग पर रोक लगा दी गई थी। सरकार ने यह फैसला दवा टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिश पर लिया था। जिसका मानना था कि इन दवाओं में शामिल अवयवों की चिकित्सकीय गुणवत्ता संदिग्ध है। दरअसल, एक ही गोली को कई दवाओं से मिलाकर बनाने को फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स यानी एफडीसी कहा जाता है। बहरहाल, सामान्य रोगों में उपयोग की जाने वाली तथा जीवनरक्षक दवाओं की गुणवत्ता में कमी का पाया जाना, मरीजों के जीवन से खिलवाड़ ही है। जिसके लिये नियामक विभागों की जवाबदेही तय करके घटिया दवा बेचने वाले दोषियों को कठोर दंड दिया जाना चाहिए। असल में इस तरह की दानवी सोच वाले लोग सिर्फ अपना स्वार्थ देखते हैं। ऐसे लोग धन-संपत्ति आदि के जरिए सिर्फ अपना ही उत्थान करना चाहते हैं, भले ही इस कारण दूसरे लोगों और पूरे समाज ही मौत के मुंह में जा रहे हो, यह मानवीय संवेदनाओं के छीजने की चरम पराकाष्ठा है। यह कैसी विडम्बना एवं विसंगतिपूर्ण दौर है जिसमें जिसको जहां मौका मिल रहा है, वह लूटने में लग हुआ है, यहाँ कोई भी व्यक्ति सिर्फ तब तक ही ईमानदार है जबतक उसको चोरी करने का या लूटने का मौका नहीं मिलता।

हद तो तब है जब कई जगह जीवनरक्षक इंजेक्शनों की जगह नकली इंजेक्शन तैयार करने की खबरें भी आती रहती हैं। हम कितनें लालची एवं अमानवीय हो गये हैं, हमारी संवेदनाओं का स्रोत सूख गया है, तभी अपना ईमान बेच कर इंजेक्शन में पैरासिटामोल मिलाकर बेचने लगते हैं, हम तो अपनी तिजोरियां भरने के लिए जिंदा इंसानों को ही नोच रहे हैं, कहाँ लेकर जाएंगे ऐसी दौलत या फिर किसके लिए? यह कैसी मानवीयता है? दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निर्माता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चौपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन-प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। सरकार का व्यवस्था पर नियंत्रण कमजोर होता दिख रहा है। आम आदमी जाए तो कहां जाये? विश्व को श्रेष्ठ, नैतिक एवं मानवीय बनने का उपदेश देने वाला देश आज कहां खड़ा है? आज इन मूल्यों एवं संवेदनाओं की दृष्टि से देश कितना खोखला एवं जर्जर हो गया है। आज भौतिक एवं स्वार्थी मूल्य अपनी जड़ें इतनी गहरी जमा चुके हैं कि उन्हें निर्मूल करना आसान नहीं है। मनुष्य का संपूर्ण कर्म प्रदूषित हो गया है। सारे छोटे-बड़े धंधों में अनीति प्रवेश कर गई है। अमानक दवाओं का बढ़ता बाजार एक कलंक बनकर उभरा है। निस्संदेह यह संकट जल्दी समाप्त होने वाला नहीं है। ऐसे में सरकारों को दूरगामी परिणामों को ध्यान में रखकर रणनीति बनानी होगी।

नजरिया

हिंसकों और भस्मासुरों को पड़ोसी जनता चुनती ही क्यों है?

आचार्य विष्णु श्रीहरि

मोबाइल : 9315206123

पडोसी देशों में सत्ता परिवर्तन की आंधी चल रही हैं। कहीं जनता शासकों को कान पकड़ कर बाहर कर रही है तो कही तख्तापलट हो रहा हैं, कहीं इस्लामिक शासन स्थापित हो रहा है तो कहीं तानाशाही कायम हो रही है। इसका उदाहरण बंग्लादेश है और श्रीलंका हैं। इन दोनों देशों में अभी-अभी नयी सरकारें स्थापित हुई है। बांग्लादेश में जहां पर तख्तापलट हुआ, लोकतांत्रित ढंग से चुनी हुई सरकार कुचली गयी और इस्लामिक मूल्यों पर आधारित हिंसक और हिन्दू विरोधी सरकार बनायी गयी जो अन्य अल्पसंख्यक मूल्यों का भी घोर विरोधी है जिसनें इस्लामिक हिंसा और कत्लेआम के खिलाफ अपना सत्ता फर्ज निभाने के लिए आगे नहीं आयी। श्रीलंका में भी सत्ता परिवर्तन हुआ है, कहने के लिए एक लोकतांत्रित सरकार वहां भी स्थापित हुई है पर वह लोकतांत्रित सरकार सिर्फ नाम मात्र की है उसकी मान्यताएं कम्युनिस्ट विचार धारा से मिलती हैं, कम्युनिस्ट विचारधारा की मान्यताओं का सीधा अर्थ हिंसक, अराजक और वैश्विक विरोधी होना।

इसके अलावा अन्य पडोसियों देशों जैसे पाकिस्तान, नेपाल और अफगानिस्तान, म्यांमार आदि में भी जो सरकारें स्थापित हैं वे सरकारें कहीं से भी मानवीय मूल्यों से जुड़ी हुई नही हैं और सर्वधर्म सम्मभाव से दूर हैं। अफगानिस्तान का तालिबान सरकार अपने स्थापना के समय से ही गैर मुसलमानों का दमन कर चुकी हैं, अपने शासन क्षेत्र से गैर मुसलमानों को हिंसा और धमकी के बल पर भागने के लिए मजबूर कर दिया है। जबकि पाकिस्तान अपने इस्लामिक मूल्यों पर हिंसक रहने की गतिविधियों के घेरे में ही कैद रहता है। मालदीव में भी घोर इस्लामिक हिंसक मूल्यों वाली सरकार है। नेपाल में कम्युनिस्ट मूल्यों वाली सरकार है। नेपाल में कम्युनिस्ट मूल्यों वाली सरकार चीन के साथ दोस्ती रखती हैं और भारत के साथ दुश्मनी रखती हैं।

चीन और पाकिस्तान जैसे हमारे दुश्मनों के लिए अच्छी बात यह है कि उसकी संस्कृति और मानसिकता के ही सरकारें बन रही हैं। सिर्फ भारत ही एक मात्र देश है जो अपने पड़ोसियों के बीच अलग तरह का देश है जिसके लिए अल्पंसख्यक ही महत्वपूर्ण और विकास-उन्नति के केन्द्र विन्दु होते हैं और उनके लिए संविधान भी विशेष ध्यान रखता है। लेकिन भारत के लिए ऐसी सरकारें चिंता के ही विषय होती हैं और भारत के सामने कई प्रकार की चुनौतियां खड़ी होती हैं, अपनी अर्थव्यवस्था और गरीब जनता की कीमत पर भारत को ऐसी देशों की बुनियादी और जरूरी जरूरतों को पूरा करने के लिए आगे आना पड़ता है। पर एक महत्तवपूर्ण विचारन का विषय यह है कि बांग्लादेश, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, मालदीव, श्रीलंका, म्यांमार और नेपाल क्या ये सफल देश हैं, क्या ये स्वयं पर खडे देश हैं, क्या ये कटोरे लेकर भीख मांगने वाले देश नहीं हैं, क्या ये भारत जैसे मूर्ख देश के रहमोकर्म पर जिंदा रहने वाले देश नहीं हैं। सच तो यह है कि बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, मालदीव, श्रीलंका और नेपाल एक विफल देश हैं, विफल देश उस देश को कहते हैं जो हिंसा ओर अलगाव से युक्त होता है और जो आर्थिक तंत्र से बेहाल, फटहाल होता है, जिसके लिए अंतर्राष्ट्रीय नियम कानूनों की प्राथमिकता निरर्थक होती है, बेकार होता है, चारो तरफ अराजकता फैला हुआ होता है। दुनिया के लिए विफल देश एक बहुत बड़ी समस्या की तरह होते हैं जहां पर सिर्फ और सिर्फ हिंसा ही पसरी होती है और चारों तरफ गृह युद्ध की स्थिति उत्पन्न होती हैं, भूख और बेकारी पसरी होती है, भूख बेकारी से मानवता भी शर्मसार होती है। ऐसे देशों की मानवीय सहयाताएं देना विश्व समुदाय की जिम्मेदारी बन जाती है। यही कारण है कि विफल देश को दुनिया अपने लिए एक समस्या मानती हैं और एक संकट भी मानती है।

भारत के पड़ोसी देशों की जनता भी इसी मानसिकता के सहचर हैं। इनके लिए राजकता, शांति, सदभाव और उन्नति-विकास की अवधारणाएं कहीं भी अर्थ नहीं रखती हैं। वे हमेशा ऐसी सरकार चुनती हैं और ऐसे शासक चुनते हैं जो भस्मासुर होते हैं, हिंसक होते हैं, आतंकी होते हैं, मानवता विरोधी होते हैं, विकास विरोधी होते हैं, उन्नति विरोधी होते हैं, धार्मिक रूप से असहिष्णुता कायम करने वाले होते हैं, अल्पसंख्यकों के प्रति हिंसक स्वभाव रखने वाले होते हैं, जिनके लिए अंतर्राष्ट्रीय चार्टर कोई अर्थ ही नहीं रखता है। क्या तालिबान आकाश और पताल में रहता था, तालिबान तो अफगानिस्तान की जनता के बीच ही संरक्षण पाता था। पाकिस्तान के शासकों ने आतंकवाद की खेती कर और आतंकवाद के फैक्टरी खोल कर पाकिस्तान को एक हिंसक और आतंकवादी निर्यातक देश नहीं बना दिया है, इसके कारण उसकी अर्थव्यवस्था चौपट नहीं हुई है क्या? इस कारण पाकिस्तान आज पूरी दुनिया में कटौरे लेकर भीख नहीं मांग रहा है? फिर भी भीख उसे नहीं मिल रही है। पाकिस्तानी जहां भी जाते हैं वहां पर तिरस्कार और अपमान झेलते हैं, उनकी पहचान सिर्फ और सिर्फ आतंकी की होती है, हिंसक की होती है, मानवता खोर की होती है। मालदीव सिर्फ एक टापू वाला देश है जो समुद्र में विलीन होने वाला है, कोई उसे अपनी जमीन देने के लिए तैयार नहीं है। मालदीव की अर्थव्यवस्था भारत की मेहरबानी पर चलती है, भारत की आर्थिक सहायता पर मालदीव का संकट दूर होता है, प्राकृतिक आपदा आने पर भारत ही मदद करता है पर मालदीव की जनता ने एक ऐसे हिंसक और मजहबी व विकृत मानसिकता से ग्रसित व्यक्ति को अपना शासक बना बैठा जो भस्मासुर बन गया और मदद देने वाले भारत के खिलाफ ही आंख दिखाने लगा, सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि इस्लामिक यूनियनबाजी पर उतर आया। नेपाल में जनता ने चीन पक्षधर कम्युनिस्टो को अपना शासन बना लिया। सबसे ज्यादा चिंता तो श्रीलंका की जनता ने कायम की है। श्रीलंका की जनता ने एक ऐसे व्यक्ति को अपना शासक चुन लिया जो कर्म और विचारधारा से कम्युनिस्ट है, कम्युनिस्ट विकास और उन्नति के विरोधी होते हैं, अर्थव्यवस्था का विध्वंस करते हैं, अशांति को स्थापित करते हैं। इसका उदाहरण सोवियत संघ ही नहीं बल्कि भारत के पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, केरल जैसे प्रदेश भी है जहां पर कम्युनिस्टों ने अपने शासन के दौरान विकास और उन्नति की कब्र खोद डाली, कल-कारखानों को बंद करा दिया, कानपुर जिसे भारत का मैनचैस्टर कहा जाता था को कम्युनिस्ट यूनियनबाजी ने कब बना दिया, आज कानपुर विरान है, बड़े उद्योगों और बडी फैक्टरियों का नामोनिशान मिट गया। श्रीलंका को चीन ने तबाह कर दिया और उसकी अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया। एक कम्युनिस्ट शासक श्रीलंका को फिर से समृद्धि की राह पर गतिमान कर सकता है? बांग्लादेश में इस्लामिक शासन बना कर कौन सा संदेश दिया गया है? बांग्लादेश भी कुछ दिनों में बुनियादी समस्याओं के लिए तरसेगा, जहां पर हिंसा और आतंकवाद की फैक्टरियां दुनिया के लिए चुनौती बनेगी। म्यांमार के आधे भूभाग पर सेना सरकार का अस्तित्व ही नहीं है।

चीन की कारस्तानी भी विमर्श में शामिल होनी चाहिए। भारत विरोध के कारण चीन हमेशा इस्लामिक और कम्युनिस्ट तानाशाही वाली सरकारें बनवाती रही हैं। हिंसक, भ्रष्ट और राजकता विरोधी शासक चीन के टूल बन जाते हैं। चीन पहले कर्ज का फांसा फेंकता है और बाद में कंगाल कर देता है। चीन के कर्ज से श्रीलंका कैसे तबाह हुआ, यह उदाहरण के तौर पर हमारे सामने खड़ा है। चीन के पक्ष में जो खड़ा हुआ, उसके कर्ज का जो शिकार हुआ वह कटौरे लेकर भीख मांगने लगा। फिर भी पडोसी देशों के शासक चीन के प्रति निष्ठा और यूनियनबाजी से बाज नहीं आते हैं। पड़ोस में ऐसी इस्लामिक और तानाशाही मूल्यों वाली सरकारें भारत के लिए एक खतरनाक चुनौती और समस्या बन गयी हैं।

चीन की कारस्तानी भी विमर्श में शामिल होनी चाहिए। भारत विरोध के कारण चीन हमेशा इस्लामिक और कम्युनिस्ट तानाशाही वाली सरकारें बनवाती रही हैं। हिंसक, भ्रष्ट और राजकता विरोधी शासक चीन के टूल बन जाते हैं। चीन पहले कर्ज का फांसा फेंकता है और बाद में कंगाल कर देता है। चीन के कर्ज से श्रीलंका कैसे तबाह हुआ, यह उदाहरण के तौर पर हमारे सामने खड़ा है। चीन के पक्ष में जो खड़ा हुआ, उसके कर्ज का जो शिकार हुआ वह कटौरे लेकर भीख मांगने लगा। फिर भी पडोसी देशों के शासक चीन के प्रति निष्ठा और यूनियनबाजी से बाज नहीं आते हैं।

पड़ोस में ऐसी इस्लामिक और तानाशाही मूल्यों वाली सरकारें भारत के लिए एक खतरनाक चुनौती और समस्या बन गयी हैं। भारत को इससे सावधान रहना होगा। भारत को अपनी सीमा सुरक्षित रखनी होगी। अपनी तिजोरी भी बंद रखनी होगी। ऐसे पडोसी देशों को उसके भाग्य और कर्म पर ही छोड़ देना चाहिए। भारत को इन सांपों को मदर कर दयावान बनने की कोई जरूर नहीं है क्योंकि ये हिंसक और भस्मासुर हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुरक्षा के बेहतरीन माहौल में ही निवेश आता : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि सुरक्षा के बेहतरीन माहौल में ही निवेश आता है, इसलिए प्रदेश सरकार ने अपराध और अपराधियों के 'प्रति जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाई है। मुख्यमंत्री गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के समीप बस रहे औद्योगिक गलियारे में 'वरुण बेवरेजेज' के नए शीतल पेय बॉटलिंग और डेयरी उत्पाद संयंत्र के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। 'पेप्सिको' की फ्रेंचाइजी ने 1,170 करोड़ रुपये के निवेश से इस संयंत्र को स्थापित किया है। उन्होंने कहा, सुरक्षा के बेहतरीन माहौल में ही निवेश आता है। जब व्यक्ति ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो उसकी पूंजी कैसे सुरक्षित रह पाएगी। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर बिना नाम लिए तंज कसते हुए कहा कि सुरक्षा के इस शानदार माहौल से, अपराध और अपराधियों के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' नीति से उन लोगों और उनके आकाओं को परेशानी होती है जिनके लिए अपराध ही पेशा था।

आदित्यनाथ ने कहा, सरकार कानून-व्यवस्था को लेकर 'जीरो टॉलरेंस' के लिए प्रतिबद्ध है, क्योंकि इससे ही वर्तमान सुरक्षित रहेगा और बेहतर भविष्य के लिए वर्तमान का सुरक्षित रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं का आह्वान किया है कि वे नौकरी की बजाय उद्यमिता पर अधिक ध्यान दें, क्योंकि रोजगार के लिए और अधिक अवसर पाने के लिए उद्यमिता सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। मुख्यमंत्री ने कहा, आधुनिक विकास की नई ऊंचाइयों को छूने वाले जिन देशों ने उद्यमिता, शोध और नवाचार पर ध्यान दिया है, वही देश आर्थिक परिदृश्य के केंद्र बिंदु में हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 में जब पहली बार उनकी सरकार बनी तो उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं को तलाशने के लिए एक टीम को गठित किया गया जिसने रिपोर्ट दी कि प्रदेश में 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश आ सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके बाद फरवरी 2023 में हुए 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' में उत्तर प्रदेश को 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले। उन्होंने कहा कि इनमें से 10 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों का प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में हुए 'ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी' में शिलान्यास हो चुका है जबकि 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरने के लिए विचारणीय हैं।

पैन इंडिया स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी रामायण: द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम

मुंबई/एजेन्सी

रामायण: द लीजेंड ऑफ प्रिंस रामा की लोकप्रिय फिल्म के प्रशंसक इसके आगामी थिएटर रिलीज को लेकर बेहद उत्साहित हैं। जबरदस्त समर्थन के जवाब में, गीक पिक्चर्स इंडिया ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि वाल्मीकि रामायण का बहुप्रतीक्षित एनीमे रूपांतरण, जिसमें मूल अंग्रेजी डबिंग के अलावा नई हिंदी, तमिल और तेलुगु डबिंग भी शामिल है, 18 अक्टूबर को भारतीय सिनेमाघरों में आएगा। बाहुबली, बजरंगी भाईजान और आरआरआर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए प्रसिद्ध दिग्गज पटकथा लेखक श्री वी. विजयेंद्र प्रसाद को शामिल करने से इस रूपांतरण में रचनात्मक प्रतिभा की एक अतिरिक्त परत जुड़ गई है। इन नए डब के साथ, प्रतिष्ठित एनीमे फिल्म और भी व्यापक दर्शकों तक पहुँचने के लिए तैयार है, जो इस प्रिय क्लासिक को नई पीढ़ी के लिए पुनर्जीवित करेगी।

फिल्म को जापान में ही बनाया गया था और इसके निर्माण में दोनों देशों के करीब 450 कलाकारों ने अपना योगदान दिया था। फिल्म को रिलीज होने के एक साल बाद पहली बार इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में दिखाया गया था। हालांकि, उस समय राम जन्मभूमि को लेकर विवाद के कारण यह फिल्म सिनेमाघरों में टिक नहीं पाई और आखिरकार भारत में टीवी पर इसका प्रसारण किया गया। पिछले साल जब आदिपुरुष की आलोचना हुई थी, तो लोगों ने जापानी-भारतीय फिल्म रामायण की तुलना आदिपुरुष से की थी और इसकी सराहना की थी और अब 31 साल बाद यह फिल्म भारतीय सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होगी।

दशहरा और दिवाली के भारतीय त्योहारों के मौसम में रिलीज़ होने वाली रामायण: द लीजेंड ऑफ़ प्रिंस रामा एक सिनेमाई उत्सव होने का वादा करती है, जिसमें भारत की सांस्कृतिक समृद्धि को जापानी एनीमे की चमक के साथ जोड़ा गया है।

गीक पिक्चर्स इंडिया, एए फिल्म्स और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा पूरे भारत में वितरित की गई यह फिल्म देश भर के दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार है। यह फिल्म 18 अक्टूबर को भारत भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल और तेलुगु में नए डब किए गए संस्करणों के साथ-साथ इसके मूल अंग्रेजी डब के साथ रिलीज़ होगी।

अवनीत कौर ने शुरू की 'लव इन वियतनाम' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

अपने डेब्यू प्रोजेक्ट लव इन वियतनाम के साथ अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में कदम रखते हुए अभिनेत्री अवनीत कौर ने अपने नए रोमांचक सफर की शुरुआत की है। इस उपलब्धि को अपने फैंस के साथ बांटते हुए उन्होंने कई तस्वीरें शेयर की है। इंस्टाग्राम पर 31.9 मिलियन फॉलोअर्स वाली अवनीत तस्वीरों में व्हाइट क्रॉप टॉप, ब्लैक शॉर्ट स्कर्ट और ब्लैक वर्सिटी जैकेट में कूल चिक वाइब्स देती नजर आई।

इसके लिए उन्होंने नेचुरल मेकअप और अपने बालों को बन में बांधकर अपने लुक को सनग्लास, व्हाइट लॉन्ग सॉक्स, मैचिंग स्नीकर्स और ब्लैक हैंडबैग के साथ पूरा किया। इस पोस्ट उन्होंने अपने प्रोजेक्ट से कई सारी तस्वीरें शेयर की, जिसमें उन्हें बाल और मेकअप करवाते हुए देखा जा सकता है। अपने लोकेशन को वियतनाम के दालात के साथ टैग करते हुए कैप्शन में अपनी खुशी जाहिर की।

'लव इन वियतनाम' बेस्टसेलर 'मैडोना इन ए फर कोट' पर आधारित है। यह एक आकर्षक कहानी देने का वादा करती है, जो दर्शकों को पसंद आएगी। राहत शाह काजमी द्वारा निर्देशित और ओमंग कुमार द्वारा निर्मित इस फिल्म में शांतनु और वियतनाम की अभिनेत्री खा नगन भी हैं। 22 वर्षीय दिवा ने 2010 में जी टीवी के डांस शो 'डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स' से अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने 2012 में लाइफ ओके के 'मेरी मां' से अभिनय की शुरुआत की। इसमें उन्होंने झिलमिल की भूमिका निभाई थी। इसके बाद वह सब टीवी के शो 'टेढ़े हैं पर तेरे मेरे हैं' में नजर आई।

उन्होंने दर्शील सफारी के साथ सेलिब्रिटी डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 5' में भी भाग लिया। अवनीत ने 'सावित्री - एक प्रेम कहानी', 'एक मुट्ठी आसमान', 'हमारी सिस्टर दीदी', 'चंद्र नंदिनी' और 'अलादीन-नाम तो सुना होगा' जैसे टीवी शो में काम किया है। वह 'मर्दानी', 'चिड़ियाखाना', 'टीकू वेड्स शेरू', 'लव की अरेंज मैरिज' जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं।

भारत में 50 साल से कम उम्र के पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर के मामले बढ़े: विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। विशेषज्ञों ने दावा किया है कि भारत में 50 साल से कम उम्र के पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर के मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों ने कहा कि यदि इस बीमारी की पहचान जल्दी हो जाए तो इसका प्रभावी ढंग से इलाज किया जा सकता है, क्योंकि यह अक्सर धीमी गति से बढ़ती है। दुनिया भर में पुरुषों को सबसे अधिक प्रभावित करने वाले प्रोस्टेट कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सितंबर को प्रोस्टेट कैंसर जागरूकता माह के रूप में मान्यता दी गई है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रोस्टेट ग्रंथि में विकसित होने वाले प्रोस्टेट कैंसर प्रमुख रूप से वृद्ध पुरुषों को प्रभावित करता है, लेकिन भारत में युवा पुरुषों में भी यह आक्रामक रूप से बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि 50 वर्ष से कम उम्र वर्ग में प्रोस्टेट कैंसर के मामलों में काफी वृद्धि हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022 में प्रोस्टेट कैंसर से 37,948 भारतीय पुरुष प्रभावित हुए - जो इस वर्ष देश में दर्ज किए गए कैंसर के 14 लाख नए मामलों का लगभग तीन प्रतिशत है। डॉ. आशीष गुप्ता ने भारतीय पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर के बढ़ते मामलों को लेकर कहा, प्रारंभिक अवस्था में पता लगने से जीवित रहने की दर में उल्लेखनीय वृद्धि होती है, क्योंकि प्रोस्टेट कैंसर अक्सर धीमी गति से बढ़ता है और यदि प्रारंभिक अवस्था में इसकी पहचान हो जाए तो इसका प्रभावी ढंग से इलाज किया जा सकता है। भारत में सबसे बड़ी समस्या है देर से इसका पता लगना। डॉ. आशीष गुप्ता अमेरिकी बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त कैंसर विशेषज्ञ हैं जो दिल्ली के यूनिक हॉस्पिटल कैंसर सेंटर में 'मेडिकल ऑन्कोलॉजी' विभाग के प्रमुख हैं।

डॉ. गुप्ता ने कहा कि अमेरिका में प्रोस्टेट कैंसर के 80 प्रतिशत रोगियों में बीमारी का पता शीघ्र चल जाता है, तथा 20 प्रतिशत रोगियों में देरी से इसका पता चलता है। उन्होंने कहा कि भारत में आंकड़े इसके उलट हैं। वरिष्ठ चिकित्सक ने कहा कि नियमित पीएसए टेस्ट और जांच के माध्यम से पुरुष अपने स्वास्थ्य पर नियंत्रण रख सकते हैं और बीमारी के बढ़ने की संभावना को कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि प्रारंभिक अवस्था में लक्षण प्रायः अनुपस्थित होते हैं, फिर भी पुरुषों को संभावित चेतावनी संकेतों के प्रति सचेत रहना चाहिए। प्रोस्टेट कैंसर के लक्षणों में पेशाब करने में कठिनाई, बार-बार पेशाब आना , पेशाब या वीर्य में रक्त आना तथा कूल्हों, पीठ या श्रोणि में दर्द शामिल हैं। विशेषज्ञों ने प्रोस्टेट कैंसर के बारे में पता चलने और इसके उपचार में देरी के प्रति चेताया क्योंकि यह जानलेवा साबित हो सकता है।

जनसभा

कांग्रेस सांसद शैलजा कुमारी रविवार को यमुनानगर के जगाधरी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार अकरम खान के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करती हुई।

अगर बेहतर मौका मिला तो हिंदी फिल्मों में काम करूंगा : ऋषभ शेट्टी

यास आइलैंड (अबू धाबी)/भाषा। 'कांतारा' फिल्म के अभिनेता और निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने कहा कि कन्नड़ फिल्म जगत उनकी प्राथमिकता है, लेकिन अगर उन्हें सही मौका मिला तो वह हिंदी फिल्म में काम करना चाहेंगे। शेट्टी ने 2022 की एक्शन थ्रिलर 'कांतारा' के लिए देश भर में लोकप्रियता हासिल की। उन्हें इस लोकप्रिय फिल्म के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब भी मिला। उन्होंने कहा कि भाषाई बाधा अब अतीत की बात हो गई है। शेट्टी ने शुक्रवार रात को यहां आइफा पुरस्कार समारोह में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मेरी प्राथमिकता कन्नड़ फिल्म जगत है। इसने मुझे बहुत बड़ा अवसर दिया है। आज कोई भाषाई बाधा नहीं है और लोग यहां आपके काम को पहचानते हैं। बदलाव की बदौलत अब यह भारतीय सिनेमा बन गया है। अगर अच्छा अवसर मिला तो मैं (हिंदी फिल्मों में) काम करूंगा। हाल ही में एक साक्षात्कार में 'बॉलीवुड द्वारा भारत को नकारात्मक रूप में चित्रित करने' के बारे में उनकी कथित टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर, अभिनेता-फिल्म निर्माता ने कहा, मैं जो कहने की कोशिश कर रहा था उसे गलत समझा गया। मैं (इस बारे में) किसी और दिन स्पष्ट करूंगा।

फिल्म 'बिंदु' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

आईवीवाई प्रस्तुत हाइक्यू एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी टीआरपी क्वीन अंजना सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बिंदु' का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। फिल्म बिंदु के पोस्टर में अंजना सिंह गुस्से में नजर आ रही हैं, जबकि बैकग्राउंड में खेतों में हो रही एक जबरदस्त फाइटिंग सीन दर्शकों का ध्यान खींचने वाला है। फिल्म 'बिंदु' को लेकर अंजना सिंह ने कहा, यह फिल्म मेरे दिल के बेहद करीब है क्योंकि इसमें एक महिला के संघर्ष और उसके साहस को दिखाया गया है। इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक चुनौतीपूर्ण लेकिन गर्व का अनुभव रहा है। मैं उम्मीद करती हूं कि दर्शक इस फिल्म से जुड़ाव महसूस करेंगे और इसका संदेश समाज तक पहुंचेगा। बंटी ने कहा, फिल्म बिंदु केवल मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि समाज को एक मजबूत संदेश देने के उद्देश्य से बनाई गई है। हमने इसमें एक सशक्त महिला की कहानी को पेश किया है, जो अपने हक के लिए संघर्ष करती है। अंजना सिंह ने इस किरदार में जान डाल दी है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। फिल्म बिंदु के निर्माता संदीप सिंह और अरविंद अग्रवाल हैं, वहीं निर्देशन इश्तियाक सिंह बंटी कर रहे है। फिल्म का कॉन्सेप्ट भी संदीप सिंह का है और स्क्रिप्ट एसके चौहान ने लिखी है। कार्यकारी निर्माता सुभाष चौहान हैं।

एआई में जीवन में आमूलचूल बदलाव लाने की क्षमता, गलत उपयोग खतरनाक साबित हो सकता है: यूनेस्को के एडीजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एक ऐसी तकनीक है जो आग की खोज की तरह मानव जीवन में आमूलचूल बदलाव लाने की क्षमता रखती है, लेकिन अगर इसका गलत उपयोग किया गया तो यह काफी खतरनाक साबित हो सकती है। यूनेस्को में शिक्षा मामले की सहायक महानिदेशक स्टेफनिया जियानिनी ने यह बात कही। पेरिस से 'पीटीआई-भाषा' को दिये एक साक्षात्कार में जियानिनी, जो इटली की पूर्व शिक्षा मंत्री भी हैं, ने कहा कि प्रत्येक तकनीकी क्रांति के व्यापक सामाजिक और शैक्षणिक प्रभाव होते हैं, जिससे हमारे जीने के तरीके और हमारे सीखने के तरीके में मौलिक परिवर्तन होता है। उन्होंने कहा कि देशों में डिजिटल विभाजन अब भी बहुत गहरा है। ऐसे में यदि नई तकनीक उचित निवेश द्वारा संचालित और समर्थित नहीं है, तो यह विभाजन और बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा, अपने करिअर के दौरान मैंने कम से कम चार डिजिटल क्रांतियां देखी हैं जिसमें पर्सनल कंप्यूटर के आगमन से लेकर इंटरनेट का विस्तार, मोबाइल उपकरणों और सोशल मीडिया का उद्भव और चैटजीपीटी जैसे जनरेटिव एआई का तीव्र और अप्रत्याशित आगमन शामिल है। जियानिनी ने कहा कि प्रत्येक तकनीकी क्रांति के व्यापक सामाजिक और शैक्षिक निहितार्थ होते हैं, जिससे हमारे जीने के तरीके और सीखने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव आता है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों और सभी देशों ने इन तकनीकी क्रांतियों को एक ही तरह से महसूस नहीं किया है, लेकिन हर जगह उनके द्वारा बनाई गई नई दुनिया आशा और चिंता दोनों का स्रोत रही है। एआई की तुलना आग की खोज से करने के संदर्भ में उन्होंने कहा कि आग की तरह एआई से संभावित लाभ के साथ खतरे का भी जोखिम है। शिक्षा प्रणाली में एआई के उपयोग की चुनौतियों के बारे में जियानिनी ने कहा, सबसे पहले यह देखना होगा कि डिजिटल युग के लिए कौन सी सामग्री और पाठ्यक्रम उपयुक्त हैं इसके बाद दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा मूल्यांकन प्रणाली है।

उन्होंने कहा कि पढ़ाई के परिणाम का आकलन कैसे किया जाए, यह भी एक बड़ा सवाल है। उन्होंने कहा कि जो परीक्षाएं कभी हैक नहीं की जा सकती थीं, वे अब एआई अनुप्रयोगों के साथ आसानी से हैक की जा सकती हैं। दुनिया भर में छात्र 'असाइनमेंट' के लिए एआई का उपयोग करते हैं। तो क्या स्कूलों और विश्वविद्यालयों को इसके उपयोग को रोकने की कोशिश करनी चाहिए? या क्या हमें मूल्यांकन को इस बात पर केंद्रित करना चाहिए कि विचारों और तर्कों को साक्ष्य के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए? जियानिनी के अनुसार, मुख्य सवाल यह है कि क्या भविष्य के स्कूलों को शिक्षकों की आवश्यकता होगी या 'एआई ट्यूटर' शिक्षकों का स्थान किस तरह लेंगे? 2023 में, यूनेस्को ने पहला 'शिक्षा और अनुसंधान में जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए मार्गदर्शन' प्रकाशित किया, जिसमें शिक्षण और सीखने के लिए सुरक्षा और उपयुक्तता के आधार पर जेनएआई को विनियमित करने के लिए सरकारी एजेंसियों के लिए प्रमुख कार्यों का प्रस्ताव दिया गया था। प्रस्तावित कार्रवाइयों में शामिल हैं - डेटा गोपनीयता की रक्षा करने का दायित्व, विशेष रूप से बच्चों के लिए; कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग के लिए कॉपीराइट कानूनों को अद्यतन करना और जेनेरिक एआई का उपयोग करने के लिए आयु सीमा निर्धारित करना।

जियानिनी ने कहा कि कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, डेटा साइंस और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में तकनीकी कौशल भविष्य में भी प्रासंगिक बने रहेंगे, लेकिन एक विरोधाभास यह भी है कि जैसे-जैसे एआई अधिक परिष्कृत और उपयोग में आसान होता जा रहा है, विशेष तकनीकी कौशल की आवश्यकता कम हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में हो सकता है कि तकनीकी कौशल की आश्ययकता ना रहे, लेकिन सही सवालों को पूछकर मशीन से पूछताछ करने के लिहाज से संज्ञानात्मक और सामाजिक-भावनात्मक क्षमताएं अहम होंगीं।

शाहरूख खान और रानी मुखर्जी को मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और अभिनेत्री का आइफा अवार्ड

अबुधाबी/एजेन्सी

बॉलीवुड के किंग खान शाहरूख खान और अभिनती रानी मुखर्जी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फ़िल्म अकादमी पुरस्कार (आइफा) अवार्ड दिया गया। अबुधाबी में तीन दिन तक चलने वाले आइफा अवॉर्ड शो का दूसरा दिन बॉलीवुड सितारों के नाम रहा। सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार शाहरूख खान को फिल्म जवान जबकि सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार रानी मुखर्जी को फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे के लिये दियाग गया। सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार फिल्म एनिमल को दिया गया। वहीं सर्वश्रेष्ठ निर्देशन का पुरस्ककार विधु विनोद चोपड़ा को फिल्म 12वीं फेल के लिये मिला। सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार अनिल कपूर को फिल्म एनिमल के लिये दिया गया, जबकि शबाना आजमी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के लिये सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के पुरस्कार से सम्मानित की गयी। सर्वश्रेष्ठ अभिनेता(नेगेटिव रोल) का पुरस्कार बॉबी देओल को फिल्म एनिमल के लिये मिला। सर्वश्रेष्ठ कहानी, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी, सर्वश्रेष्ठ संगीत फिल्म एनिमल, सर्वश्रेष्ठ लिरिक्स, सिद्धार्थ-गरिमा (एनिमल का गाना सतरंगा), सर्वश्रेष्ठ प्लेबैक सिंगर, भूपिंदर बब्बल ,गाना अर्जन वैली फिल्म एनिमल ,सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका (महिला) शिल्पा राव, गाना चलेया फिल्म जवान के लिये दिया गया। आउटस्टैंडिंग कॉन्ट्रीब्यूशन टू इंडियन सिनेमा, जयंतीलाल गड़ा, हेमा मालिनी,अचीवमेंट ऑन कंप्लीटिंग 25 ईयर्स इन सिनेमा का पुरस्कार करण जौहर को दिया गया।

बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियों ने इस कार्यक्रम में शिरकत की। हेमा मालिनी, रेखा, शाहरुख खान, रानी मुखर्जी, अनिल कपूर, बॉबी देओल, विक्की कौशल, शाहिद कपूर और कृति सनोन जैसे सितारे ने शामिल होकर इस कार्यक्रम में चार चांद लगाए।

रवीना टंडन ने फ्लान्ट किया स्टाइलिश अवतार

मुंबई/एजेन्सी

90 के दशक की शानदार हिरोइन रवीना टंडन ने सोशल मीडिया का पारा फिर बढ़ा दिया है। अभिनेत्री का एक फोटो शूट टॉक ऑफ द टाउन बना हुआ है। ड्रेस सिम्पल लेकिन अंदाज स्टाइलिश है। उम्र के इस पड़ाव में आज भी यह अभिनेत्री लाखों दिलों की धड़कन है। सोशल मीडिया पर सक्रिय रवीना ने इस फोटोशूट को एक शब्द में परिभाषित किया है। लिखा है लव! उनका ब्ल्यू गाउन विद मैचिंग दुपट्टा क्लासी लुक जता रहा है कि उन्होंने लव क्यों लिखा! ड्रेसिंग को उन्होंने ग्लैमरस मेकअप से कम्पलीट किया है। स्मोकी आईज और न्यूड ब्राउन लिप्स उनके फैशन सेंस को बखूबी बयान कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर इस मस्त-मस्त एक्ट्रेस के 8.5 मिलियन फॉलोअर्स है। इस प्लेटफॉर्म के जरिए रवीना अपनी कई फोटोज चाहने वालों के साथ शेयर करती रहती हैं। निजी जिंदगी की बात करें तो, 'अक्स' फेम अभिनेत्री ने फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी से शादी की है। कपल के दो बच्चे- बेटी राशा और बेटा रणबीरवर्धन हैं। रवीना टंडन दिवंगत निर्देशक रवि टंडन की बेटी है। उन्होंने 1991 की एक्शन फिल्म 'पत्थर के फूल' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह 'दिलवाले', 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी', 'जिद्दी', 'लाडला', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'दुल्हे राजा' और 'अनाड़ी नंबर 1' जैसी हिट फिल्मों में नजर आई थीं। रवीना प्रशांत नील की कन्नड़ फिल्म 'केजीएफ: चैप्टर 2' में भी दिखीं। इस फिल्म को विजय किरागंदूर ने होम्बले फिल्म्स के बैनर तले बनाया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी म.सा. की निश्रा में आयोजित मुमुक्षु खुशी जीरावला की वर्षीदान शोभायात्रा के समापन पर प्रवचन के दौरान आचार्यश्री ने दीक्षा लेनेवालों के सामाजिक योगदान के पहलू पर प्रकाश डालते हुए कहा दीक्षा-स्व उपकार या परोपकार के लिए होती है।

यौन शोषण के आरोपी पादरियों को दंडित किया जाना चाहिए : पोप फ्रांसिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रसेल्स। पोप फ्रांसिस ने यौन शोषण के आरोपी पादरियों को दंडित करने तथा पीड़ितों को न्याय दिलाने पर जोर देते हुए रविवार को कहा कि बिशप को पादरियों के अपराधों पर पर्दा डालना बंद करना चाहिए। फ्रांसिस की बेल्जियम यात्रा रविवार को संपन्न हो गई। इस दौरान, उन्हें यहां के यौन शोषण के मामलों को लेकर आक्रोश का सामना करना पड़ा। इन मामलों की वजह से कैथोलिक चर्च की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हुए हैं। फ्रांसिस ने बेल्जियम के मुख्य खेल स्टेडियम में एकत्र 30 हजार लोगों को संबोधित करते हुए कहा, बुराइयों को हर हाल में सार्वजनिक किया जाना चाहिए। दुर्व्यवहार के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। बुराइयों को नहीं छिपाया जाना चाहिए।

फ्रांसिस (87) ने उत्पीड़न के शिकार 17 लोगों से शुक्रवार रात मुलाकात की थी, जिसमें पीड़ितों ने पोप को उन्हें हुए मानसिक आघात और अपराधों की सूचना देने पर गिरजाघर की उदासीन प्रतिक्रिया के बारे में बताया। बेल्जियम में 25 साल से भी अधिक समय से भयावह यौन शोषण के मामलों का खुलासा हो रहा है। 2010 में एक बड़ा कांड हुआ था, जब ब्रुगेस के बिशप रोजर वांगेलुवे को बिना किसी सजा के इस्तीफा देने की अनुमति दी गई थी। उन्होंने अपने रिश्तेदार का 13 साल तक यौन शोषण करने की बात स्वीकार की थी। फ्रांसिस की यात्रा शुरू होने से ठीक पहले, शुक्रवार को बेल्जियम के प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर डी क्रू ने कैथोलिक चर्च में यौन शोषण की घटनाओं को छिपाने की भयावह परिपाटी को लेकर उनपर निशाना साधा था।

प्रधानमंत्री ने इस सिलसिले में ठोस कदम उठाने तथा पीड़िताओं के हितों को प्राथमिकता देने की मांग की थी। बेल्जियम के राजा फिलिप ने भी फ्रांसिस के लिए कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया था। उन्होंने चर्च से प्रायश्चित करने और पीड़ितों को उबारने में मदद करने के लिए अनवरत काम करने की मांग की थी।

‘समाज व राष्ट्र के प्रति साधु-संतों का योगदान अद्वितीय’

मुमुक्षु खुशी जीरावला का वर्षीदान वरघोड़ा संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी म.सा. की निश्रा में आयोजित मुमुक्षु खुशी जीरावला की वर्षीदान शोभायात्रा के समापन पर प्रवचन के दौरान आचार्यश्री ने दीक्षा लेनेवालों के सामाजिक योगदान के पहलू पर प्रकाश डालते हुए कहा दीक्षा-स्व उपकार या परोपकार के लिए होती है। आचार्यश्री ने कहा कि सबसे पहले हमें दीक्षा के सच्चे स्वरूप और वास्तविक आस्था को समझना पड़ेगा। जैन शास्त्रों में दीक्षा की व्याख्या अनेक पहलुओं से की गई है। उनमें से एक है कि दीक्षा यानी तमाम जीव सृष्टि के साथ आत्मिक नाता जोडना और 'मात्र सामाजिक कर्तव्य' के दायरे से मुक्त होकर आत्मिक कर्तव्यों का स्वीकार। इस दृष्टि से देखा जाएं तो एक मुनि का कार्यक्षेत्र मात्र समाज तक सीमित न रहकर समस्त जीवसृष्टि चाहे फिर वह मानव हो, पशु पंखी हो, या कोई भी जीवजंतु हो-सभी के प्रति आत्मिक कर्तव्य होने से और व्यापक बन जाता है।

जिस प्रकार भविष्य में समाज को उपयोगी होने वाला विद्यार्थी उच्च अभ्यास हेतु अपने घर परिवार से दूर विदेश चला जाता है, एक सैनिक देश की सुरक्षा के लिए समाज-गाँव से दूर रहता है फिर भी बडी जिम्मेदारी निभाने के कारण उसे कोई अनुचित नहीं ठहराता, उसी प्रकार एक साधु जीव सृष्टि के प्रति अपना कर्तव्य अदा करने जा रहा तो उसे छोटे कर्तव्यों से मुक्त होना ही पड़ता है- यह सार्वत्रिक नियम है।

यह तो दीक्षा जीवन का समाज उपयोगी मात्र एक पहलू है, ऐसे तो अनेक पहलू हैं जिन्हें यदि समझा जाए तो एक संत के प्रति सहज सदभाव हुए बिना नहीं रहेगा। कल्याण मित्र परिवार ने वरघोड़े की व्यवस्था संभाली।

चंद्रयान-तीन चंद्रमा के संभवतः सबसे पुराने ‘क्रेटर’ पर उतराः अनुसंधानकर्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। भारत का ‘चंद्रयान-3’ संभवतः चंद्रमा के सबसे पुराने ‘क्रेटर’ में से एक पर उतरा था। मिशन और उपग्रहों से प्राप्त चित्रों का विश्लेषण करने वाले वैज्ञानिकों ने यह संभावना जताई है। किसी भी ग्रह, उपग्रह या अन्य खगोलीय वस्तु पर गड्ढे को ‘क्रेटर’ कहा जाता है। ये ‘क्रेटर’ ज्वालामुखी विस्फोट से बनते हैं। इसके अलावा किसी उल्का पिंड के किसी अन्य पिंड से टकराने से भी ‘क्रेटर’ बनते हैं।

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के शोधकर्ताओं ने बताया कि चंद्रयान-3 जिस ‘क्रेटर’ पर उतरा है वह ‘नेक्टरियन काल’ के दौरान बना था। ‘नेक्टरियन काल’ 3.85 अरब वर्ष पहले का समय है और यह चंद्रमा की सबसे पुरानी समयावधियों में से एक है। भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला के ग्रह विज्ञान प्रभाग में ‘एसोसिएट प्रोफेसर’ एस. विजयन ने ‘पीटीआई-भाषा’ से कहा, चंद्रयान-3 जिस स्थल पर उतरा है वह एक अद्वितीय भूगर्भीय स्थान है, जहां कोई अन्य मिशन नहीं पहुंचा है। मिशन के रोवर से प्राप्त चित्र चंद्रमा की ऐसी पहली तस्वीर हैं जो इस अक्षांश पर मौजूद रोवर ने ली हैं। इनसे पता चलता है कि समय के साथ चंद्रमा कैसे विकसित हुआ। जब कोई तारा किसी ग्रह या चंद्रमा जैसे बड़े पिंड की सतह से टकराता है तो गड्ढा बनता है तथा इससे विस्थापित पदार्थ को ‘इजेक्टा’ कहा जाता है। ‘ इकारस’ पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के लेखक विजयन ने बताया कि जब आप रेत पर गेंद फेंकते हैं तो रेत का कुछ हिस्सा विस्थापित हो जाता है या बाहर की ओर उछलकर एक छोटे ढेर में तब्दील हो जाता है, ‘इजेक्टा’ भी इसी तरह बनता है।

चंद्रयान-3 एक ऐसे ‘क्रेटर’ पर उतरा था - जिसका व्यास लगभग 160 किलोमीटर है और तस्वीरों से इसके लगभग अर्ध-वृत्ताकार संरचना होने का पता चलता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि यह संभवतः क्रेटर का आधा भाग है और दूसरा आधा भाग दक्षिणी ध्रुव-‘ऐटकेन बेसिन’ से निकले ‘इजेक्टा’ के नीचे दब गया होगा। प्रज्ञान को चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम ने चंद्रमा की सतह पर उतारा था। इसरो द्वारा प्रक्षेपित इस चंद्रयान ने 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास ‘सॉफ्ट लैंडिंग’ की थी। चंद्रयान जिस स्थल पर उतरा था उसका 26 अगस्त 2023 को ‘शिव शक्ति प्वाइंट’ नाम रखा गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नेत्र जांच शिविर

बेंगलूरु के वृंदावन कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग में एनसीसी कैडेटस के लिए विजय संभव फाउंडेशन द्वारा एनसीसी प्रशिक्षण शिविर में एक मेगा आई कैंप का आयोजन किया, जिसमें 500 से अधिक प्रतिभागी लाभान्वित हुए। अलोका विज़न टीम ने जांच में सहयोग किया। इस शिविर में बीएसएफ के लेफ्टिनेंट अर्पण सहित फाउंडोन के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

दया के बिना सभी धर्म अधूरे हैं : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में साध्वी धर्मप्रभाजी ने संयमी साधक आत्मा मुनि मेघकुमार के रोचक जीवन इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि जैन दर्शन में तीर्थकर परमात्मा महावीर ने अहिंसा की बहुत सूक्ष्म व्याख्या की हैं जो सम्पूर्ण विश्व में समस्त मानव जाति के लिए एक आदर्श-प्रेरणा का स्रोत हैं। किसी भी जीव की मन, वचन, काया से हिंसा ना हो। चाहे वो सूक्ष्म हो या स्थावर। इंसान हो या पशु। छोटा हो या बड़ा। इसका पूर्ण विवेक-व्यवहार रखने की बात कही गई है। क्योंकि सभी जीव जीना चाहते हैं, मरना कोई नहीं चाहता।

जैसे हमें अपने प्राण प्यारे हैं वैसे हि जगत के सभी जीवों को अपने प्राण प्यारे हैं। यदि हम किसी को जीवन नहीं दे सकते, तो फिर दूसरे के जीवन का घात करने का भी हमें कोई अधिकार नहीं है। प्रभु महावीर ने सभी दानों में अभयदान को श्रेष्ठ बतलाया है। जैसे हमें सबसे ज्यादा खुशी हमारे भय के मिट जाने पर होती है। वैसे ही किसी भयभीत प्राणी को बचाना या किसी मरते हुए प्राणी को बचाना अभयदान हैं। मुनि मेघकुमारजी का जीवन इसप्रकार एक तिर्येच प्राणी में भी यह अलौकिक जीवदया की अनुपम मिशाल जगत के जीवों, परिपूर्ण पांचों शून्द्रयों वाले मानव समाज के लिए एक अदभूत प्रेरणादायी आदर्श उपस्थित करती हैं। हमें भी इस जीवदया - अनुकम्पा की भावना से ओत-प्रोत इस सुंदर प्रेरक कथानक से प्रेरणा लेते हुए जगत के प्राणीमात्र के जीवों के प्रति करुणा, दया, अनुकम्पा की भावना रखनी चाहिए। आज जहाँ संसार में मनुष्य अपने, शूद्र कतिपय स्वार्थों के लिए दूसरे इंसान की जान लेने की भी परवाह नहीं करता हैं। साध्वीश्री स्नेहप्रभा जी म.सा. ने 4 अक्टूबर को आयोजित होने वाले कल्याणकारी प्रभु पार्श्वनाथ जाप साधना कार्यक्रम की जानकारी दी। बेंगलुरु के विभिन्न उपनगरों सहित बाहर के अनेक क्षेत्रों के श्रद्धालुगण भी भारी संख्या में धर्मसभा में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री सुरेश धोका ने किया।

सुसवाणी माता धाम में नवरात्रि महोत्सव 3 अक्टूबर से

पद यात्रा एवं भक्ति संध्या 6 अक्टूबर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सुराणा संघ एवं भवरीबाई घेवरचंद सुराणा चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में होसूर रोड़ स्थित श्री सुसवाणी माता धाम में नवरात्रि महोत्सव 3 अक्टूबर से घट स्थापना से प्रारंभ होकर 12 अक्टूबर को पूर्णाहुति के साथ संपन्न होगा। संघ के महामंत्री भीमराज सुराणा ने बताया कि प्रतिदिन माताजी वंदित हवन, दोनों समय की आरती के साथ विविध अनुष्ठान होंगे। संघ अध्यक्ष महीपाल सुराणा ने बताया कि 6 अक्टूबर को प्रातः 7.00 बजे नारायण हृदयालय से अत्तिबेले सुसवाणी माता धाम तक पद यात्रा आयोजन एवं सायं विराट भक्ति संध्या में स्वर साधिका डिंपल भूमि बिहार द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। भक्ति संध्या में माता को चुनड़ी अर्पण का कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहेगा। रविवार को धाम स्थल तक आवागमन के लिए बेंगलूरु के उपनगरों से बसों की व्यवस्था भी की गई है।

जुलाई-सितंबर में दिल्ली-एनसीआर, बेंगलूरु में घरों की कीमतें 29 प्रतिशत बढ़ीं

बेंगलूरु/नई दिल्ली। चालू कैलेंडर साल की तीसरी जुलाई-सितंबर तिमाही में दिल्ली-एनसीआर और बेंगलूरु में घरों की कीमतें सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़ी हैं। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। एनारॉक के अनुसार, उत्पादन लागत में बढ़ोतरी तथा लग्जरी घरों की आपूर्ति बढ़ने से आवास कीमतों में तेज उछाल आया है। एनारॉक के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में आवासीय संपत्तियों की औसत कीमत जुलाई-सितंबर तिमाही में 29 प्रतिशत बढ़कर 7,200 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 5,570 रुपये प्रति वर्ग फुट थी। बेंगलूरु में इस कैलेंडर साल की तीसरी तिमाही में घरों की कीमतें 29 प्रतिशत बढ़कर 8,100 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 6,275 रुपये प्रति वर्ग फुट थीं।

इसी तरह हैदराबाद में कीमतों में सबसे अधिक 32 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो 5,400 रुपये प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 7,150 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गई। मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में औसत आवास कीमतें 13,150 रुपये प्रति वर्ग फुट से 24 प्रतिशत बढ़कर 16,300 रुपये हो गईं। पुणे में कीमतें 6,550 रुपये प्रति वर्ग फुट से 16 प्रतिशत बढ़कर 7,600 रुपये हो गईं, जबकि चेन्नई में यह 5,770 रुपये प्रति वर्ग फुट से 16 प्रतिशत बढ़कर 6,680 रुपये हो गईं। कोलकाता में जुलाई-सितंबर में औसत आवास कीमतें 14 प्रतिशत बढ़कर 5,700 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 5,000 रुपये प्रति वर्ग फुट थीं।

बेंगलूरु स्थित रियल्टी फर्म वैष्णवी ग्रुप के निदेशक दर्शन गोविंदराजू ने कहा, आवासीय संपत्ति की औसत कीमतों में पिछली कुछ तिमाहियों से वृद्धि हो रही है। इसकी वजह कुल उत्पादन लागत में बढ़ोतरी है। इसमें भूमि अधिग्रहण की लागत और निर्माण लागत शामिल हैं।

प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नई दिल्ली में रविवार को एम्स दिल्ली के छात्र जंतर-मंतर पर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जागरुकता रैली

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित विजन फॉर विजनलेस मिशन के तहत तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर ने आरआर नगर से एटीडीसी तक किया जागरुकता रैली का आयोजन किया जिसका शुभारंभ डॉ प्रकाश जैन ने किया तथा सभी को नेत्रदान के बारे में जानकारी दी एवं सभी से अपील की कि आप मरणोपरांत नेत्रदान जरूर करें। इस अवसर पर तेयुप अध्यक्ष बिकाश छाजेड़, सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़, ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, महिला मंडल मंत्री पद्मा मेहर, ज्ञानशाला संयोजिका प्रिया छाजेड़, मंत्री सुपार्श पटावरी आदि ने भाग लिया।

जागरुकता रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित विजन फॉर विजनलेस मिशन के तहत तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर ने शहर के शेषाद्रिपुरम के कर्नाटक वेलफेयर एसोसिएशन फॉर ब्लाइंड से नेत्रदान जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जागरूकता रैली मे तेयुप से अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया, राजेश देरासरिया,संजय मांडोत, धर्मेन्द्र बरलोटा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

ब्रिटेन की सांसद का लेबर पार्टी से इस्तीफा, प्रधानमंत्री स्टार्मर के नेतृत्व पर उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन। ब्रिटेन की सत्तारूढ़ लेबर पार्टी की एक सांसद ने प्रधानमंत्री कीअर स्टार्मर के नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया। स्टार्मर के जुलाई में प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद उनके लिए यह पहला करारा झटका है।

लेबर पार्टी की ओर से केंटबरी का प्रतिनिधित्व करने वाली रोजी डफील्ड इस्तीफे के बाद अब निर्दलीय सांसद की हैसियत से हाउस ऑफ कॉमंस की सदस्य रहेगीं। डफील्ड का इस्तीफा ‘द संडे टाइम्स’ में प्रकाशित हुआ है, जिसमें उन्होंने स्टार्मर की कठोर और अनावश्यक नीतियों को लेकर उनपर हमला बोला।

डफील्ड ने दावा किया कि उनके इस्तीफे की कई वजह हैं, लेकिन मुख्य कारण सरकार की अलोकप्रिय नीतियां हैं। डफील्ड ने अपने त्यागपत्र में कहा, वे (नीतियां) कठोर व अनावश्यक हैं और हमारे हजारों सबसे गरीब, सबसे कमजोर मतदाताओं को प्रभावित करती हैं। मुझे इसके लिए नहीं चुना गया था। यह समझदारी भरी राजनीति भी नहीं है। यह निश्चित रूप से ’सेवा भाव की राजनीति’ नहीं है।

सांसद ने कहा कि उन्हें लेबर पार्टी के प्रधानमंत्री की तथाकथित परिवर्तन लाने की प्रतिबद्धता पर कोई भरोसा नहीं है, जिसका वादा उन्होंने आम चुनाव अभियान के दौरान किया था। उन्होंने कहा कि वह अपने मतदाताओं की आंखों में आंखें डालकर उन्हें यह नहीं बता सकतीं कि थोड़ा भी परिवर्तन हुआ है।

‘स्वाध्याय के लिए समय का ध्यान रखना होता है’

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में विनयमुनिजी खींचन ने तीन दिवसीय दशाश्रुतस्कंध सूत्र की प्रवचन माला के द्वितीय दिवस पर विवेचना करते हुए कहा कि दशाश्रुत स्कन्ध में ’काल’ की आसातना से बचिए। संयमी जीवन जिन्होंने सावद्य योगों का त्याग कर दिया है, उन्हें विशेष काल की कोई आसातना नहीं वत है, मात्र स्वाध्याय के लिए काल का ध्यान रखना होता है। दैनिक प्रवृत्ति होने से आदत रूप पड़ी हुई है, जबकि गृहस्थों के लिए तीर्थकर देव परमात्मा ने प्रत्येक मास के छह दिन धर्म करने के लिए नियत किए है।

दैनिक तप त्याग पौषध उपवास-श्रावक नहीं कर सकते है, क्योंकि संसार भी चलाना है। अर्थ के बिना अन्न की प्राप्ति गृहस्थ को संभव नहीं होती है। गृहस्थ भिक्षुक नहीं होता है,उसे आजीविका के लिए कुछ न कुछ आवश्यक कर्म करने ही पडते हैं, इसलिए तीर्थकर परमात्मा ने गृहस्थों को 24 दिन छोडकर छह दिन प्रत्यक मास में सावध योगों का त्याग करने का उत्कृष्ट सन्देश दिया है। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपतराज मांडोत ने धन्यवाद दिया।

बलूचिस्तान में संदिग्ध आतंकवादियों ने सात मजदूरों की हत्या की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में संदिग्ध आतंकवादियों ने रविवार को पंजाब के कम से कम सात मजदूरों की हत्या कर दी। बलूचिस्तान में लक्षित हत्या की यह नवीनतम घटना है। पुलिस ने बताया कि पंजगुर कस्बे के खुदा-ए-अबादान इलाके में ये मजदूर एक मकान के निर्माण कार्य में लगे थे। उसने बताया कि संदिग्ध आतंकवादियों ने यह हमला उस समय किया जब सभी मजदूर दिनभर काम करने के बाद एक ही छत के नीचे सो रहे थे। पुलिस ने बताया कि सभी पंजाब के मुल्तान जिले के रहने वाले थे। पुलिस महानिरीक्षक मोअज्ज़म जाह अंसारी ने समाचार पत्र ‘डॉन’ को बताया, गोलीबारी में सात मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान साजिद, शफीक, फैयाज, इफ्तिखार, सलमान, खालिद और अल्लाह वासिया के रूप में हुई है। किसी भी आतंकवादी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

पंजगुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फाजिल शाह बुखारी ने कहा कि यह एक आतंकवादी हमला है और जांच शुरू कर दी गई है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस हमले की निंदा की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के श्रमण आरोग्यम प्रकल्प के चेयरमैन पद पर मनोनीत हुए रमेश हरण का सम्मान भाजपा युवा मोर्चा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव इंदरचंद नाहर, चन्द्रकांत तातेड, उदय वाणीगोता, महेंद्र निभजिया, फूटरमल दांतेवाडिया व कमलेश राठौड़ ने किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com